संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 156
पृष्ठ 8
रविवार
23 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कच्चे हो गए हैं नाखून तो इन...

विचार- दिल्ली में कांग्रेस से बड़ी रेखा...

खेल- भारत का डर या कुछ और...

मुख्यमंत्री योगी ने किया देश के प्रथम बायोपॉलिमर संयंत्र का किया शिलान्यास

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां कुंभी चीनी मिल परिसर में बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड द्वारा 2850 करोड़ रुपये की लागत से देश के पहले बायोपॉलिमर संयंत्र का शिलान्यास किया।

योगी ने कहाकि सरकार ने देश के पहले बायोप्लास्टिक प्लांट का जो एमओयू किया था, उसे आज जमीनी धरातल पर उतारा गया है। यह अपनी तरह का देश का पहला निवेश है। यहां बनने वाली बोतल, प्लेट, कप और कैरी बैग्स पूरी तरह से डिस्पोजेबल होंगे और महज तीन महीने में खुद ही मिट्टी में मिल जाएंगे।

उन्होने कहा कि आज पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश के महाकुम्भ में भागीदार बनने के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से 22 फरवरी तक अब तक 60 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां से गोला गोकर्णनाथ और फिर प्रयागराज जाऊंगा, लेकिन कुंभी में ही मुझे महाकुंभ दिख गया। यह निवेश का महाकुंभ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2850 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह संयंत्र भारत का पहला इंटीग्रेटेड यूनिट होगा। इससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और किसानों की आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी। यूपी सरकार यहां के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट के लिए प्लांट के साथ एमओयू करेगी, जिससे पढ़ाई कर रहे छात्र सीधे रोजगार से जुड़ सकें। योगी ने पर्यावरण संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण असमय बारिश और सूखे जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जीरो लिक्विड डिस्चार्ज तकनीक को अपनाकर नदियों और नहरों को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रही है। यूपी में 45 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव आया है। अब तक 15 लाख करोड़ का निवेश हो चुका है और 3 से 5 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं। इससे 7 से 8 लाख युवाओं को नौकरी भी मिल चुकी है।

उन्होने कहा कि संयंत्र पाली लैक्टिक एसिड (पीएलए)आधारित बायोप्लास्टिक का उत्पादन करेगा, जिससे पर्यावरण–अनुकूल उत्पाद जैसे डिस्पोजेबल बोतलें, खाद्य ट्रे, कटलरी, आइसक्रीम कप और कैरी बैग बनाए जाएंगे। इस प्लास्टिक की विशेषता यह होगी कि यह 3 से 6 महीनों में स्वयं ही मिट्टी में घुलकर नष्ट हो जाएगा, जिससे प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र शून्य–तरल अपशिष्ट के सिद्धांत पर भी काम करेगा, जिससे कोई भी हानिकारक अपशिष्ट नदियों या नालों में नहीं बहेगा। इसके साथ ही, इस परियोजना से हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और चीनी उद्योग में नई संभावनाएं खुलेंगी।

मुख्यमंत्री ने बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड से संयंत्र को आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्थानीय महाविद्यालयों से जोड़ने के लिए कहा, जिससे यहां के युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिलें। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संयंत्र पर्यावरण संरक्षण, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर मंत्री नितिन अग्रवाल, राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव चीनी उद्योग वीणा कुमार मीना आदि उपस्थित थे।

मोदी रविवार से मध्य प्रदेश, बिहार, असम के तीन दिन के दौरे पर

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 से 25 फरवरी तक मध्य प्रदेश, बिहार और असम का दौरा करेंगे और इन राज्यों में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा कई परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी कल मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में अपराह्न करीब दो बजे बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखेंगे। श्री मोदी सोमवार सुबह 10 बजे भोपाल में दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का उद्घाटन करेंगे और वहां से बिहार में भागलपुर जाएंगे। वह वहां करीब 2रू15 बजे पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे तथा बिहार में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री गुवाहाटी जाएंगे और शाम करीब छह बजे झुमोर बिनंदिनी (मेगा झुमोर) 2025 कार्यक्रम में शामिल होंगे। श्री मोदी 25 फरवरी को सुबह करीब 10रू45 बजे गुवाहाटी में "एडवांटेज असम 2.0" निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करेंगे। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा गांव में बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान की ओर से प्रस्तावित 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाला कैंसर अस्पताल वंचित कैंसर रोगियों को मुफ्त उपचार प्रदान करेगा और अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित होगा तथा इसमें विशेषज्ञ डॉक्टर होंगे।

भोपाल में दो दिवसीय वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (जीआईएस) 2025 में फार्मा और चिकित्सा उपकरण, परिवहन और रसद, उद्योग, कौशल विकास, पर्यटन और एमएसएमई आदि पर विशेष सत्र शामिल होंगे। इस दौरान दक्षिणी गोलार्ध के विकासशील और अल्प विकसित देशों पर केंद्रित सत्र, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन सत्र और प्रमुख भागीदार देशों के लिए विशेष सत्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय सत्र भी आयाजित किए जाएंगे।समिट के दौरान ऑटो शो, टेक्सटाइल और फैशन एक्सपो तथा 'एक जिला–एक उत्पाद' (ओडीओपी) गांव राज्य की अनूठी शिल्पकला और सांस्कृतिक विरासत प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अधिकारी, भारत के 300 से अधिक प्रमुख उद्योग जगत के नेता और नीति निर्माता इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

यूपी विधान परिषद में व्यापारियों के लिए सीट सुरक्षित करने की कैट उठायेगा मांग- प्रवीण खण्डेलवाल

झांसी। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खण्डेलवाल ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद में अन्य प्रोफेशनल वर्गों की तरह ही व्यापारियों के लिए भी सीट आरक्षित करने की मांग उनका संगठन प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के समक्ष उठायेगा। यहां सर्किट आउस पहुंचे कैट के महामंत्री और दिल्ली की चांदनी चौक सीट से सांसद प्रवीण खण्डेलवाल ने पत्रकार वार्ता में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय पटवारी तथा अन्य गणमान्य व्यापारी नेताओं की मौजूदगी में बताया कि कैट देश का व्यापारियों का सबसे बड़ा संगठन है जो लगातार व्यापारियों के हितों के संरक्षण और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार के साथ सामंजस्य बनाकर काम करता है।

टाटा के हाथ में एयर इंडिया बेहतर हुई होगी, आज यह भ्रम टूट गया- शिवराज सिंह चौहान

नयी दिल्ली/भोपाल। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को शनिवार को भोपाल से नयी दिल्ली के लिए एयर इंडिया की एक उड़ान में अपनी आवंटित सीट टूटी और धंसी मिली और इसको लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि आज उनका यह भ्रम टूट गया कि टाटा समूह के हाथ में जाने के बाद इस एयरलाइन की सेवा बेहतर हुई होगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और अब केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री श्री चौहान ने डिजिटल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में लिखा कि उन्हें आज भोपाल से दिल्ली आना था।

स्वकेंद्र पर किसी हाल में परीक्षा नहीं देंगे छात्र

प्रयागराज। 24 फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड की परीक्षा में सेक्स कोड की त्रुटि के कारण यदि किसी छात्र को स्वकेंद्र आवंटित हो गया है तो उसे दूसरे परीक्षा केंद्र भेजा जाएगा। सचिव भगवती सिंह ने इस संबंध में 20 फरवरी को सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं। लिखा है कि कुछ परीक्षार्थियों, अभिभावकों एवं अन्य श्रोतों से यह पता चल रहा है

कि उनके जिले में कई परीक्षार्थियों के सेक्स कोड त्रुटिपूर्ण अंकित होने के कारण परीक्षार्थियों का केंद्र आवंटन गलत हो गया है। कुछ बालकों को स्वकेंद्र की सुविधा मिल रही है और बालिकाओं को स्वकेंद्र की सुविधा नहीं मिल पा रही है। केंद्र निर्धारण नीति में जो स्कूल परीक्षा केंद्र बने हैं वहां की बालिकाओं को स्वकेंद्र की सुविधा प्रदान की जाएगी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को जहां स्वकेंद्र की सुविधा न दी जा सके, वहां उन्हें सात किमी की परिधि के परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने की सुविधा दी जाएगी। लिहाजा ऐसी बालिका परीक्षार्थियों को स्वकेंद्र अथवा निकटस्थ केंद्र पर जहां पर विद्यालय के अन्य छात्राएं आवंटित हों उसी केंद्र पर परीक्षा दिलाने की व्यवस्था की जाए। साथ ही यदि किसी बालक परीक्षार्थी को सेक्स कोड त्रुटि के कारण स्वकेंद्र की सुविधा मिल रही है तो ऐसे परीक्षार्थियों को उसके विद्यालय के अन्य बालक परीक्षार्थियों के लिए आवंटित परीक्षा केंद्र से परीक्षा में सम्मिलित कराया जाए। इस आदेश का अनुपालन न होने पर डीआईओएस जिम्मेदार होंगे।

पार्क विकसित करने वाली एजेंसी करेगी देखभाल

प्रयागराज। नैनी औद्योगिक क्षेत्र में मियावाकी पार्क विकसित करने वाली एजेंसी ही इसकी देखभाल करेगी। क्षेत्र में दूसरा मियावाकी पार्क विकसित करने के लिए नगर निगम ने एजेंसियों को आमंत्रित किया है। नगर निगम के मुख्य अभियंता सतीश कुमार ने बताया कि पार्क विकसित करने वाली एजेंसी तीन साल तक इसका देखभाल कर सकती है। नैनी के अलावा नगर निगम झूंसी के कनिहार और बसवार कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट के पास मियावाकी पार्क विकसित कर रहा है। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बताया कि शहर में चार घने वन विकसित होने के बाद यहां के पर्यावरण में सुधार होगा।

नगर निगम ने दी राहत, यूपीसीडा ने भेजा तीन साल का बिल

प्रयागराज। नैनी औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमी यूपीसीडा की ओर से भेजे गए मेनटेनेन्स चार्ज वसूली के नोटिस को लेकर चिंतित हैं। यूपीसीडा ने नैनी औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों को तीन साल के मेनटेनेन्स शुल्क का नोटिस भेजा है। औद्योगिक क्षेत्र का रखरखाव नगर निगम से वापस लेकर यूपीसीडा को पुनरू सौंपने पर उद्यमी संतुष्ट थे, लेकिन नोटिस मिलने के बाद परेशान हैं। प्रयागराज समेत प्रदेश के कई शहरों में नगर निगम की चौहद्दी बढ़ाई गई। इसके तहत प्रयागराज में नैनी औद्योगिक क्षेत्र नगर निगम सीमा में आ गया तो यूपीसीडा ने दो साल पहले क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों से मेनटेनेन्स शुल्क लेना रोक दिया। इसकी जगह नगर निगम ने उद्यमियों को गृहकर का नोटिस भेजा। गृहकर की दरों को लेकर उद्यमी और नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी के बीच मीटिंग भी हुई।

औद्योगिक इकाइयों से वित्तीय वर्ष 2024–25 से गृहकर लेने की तैयारी हो गई थी। पिछले साल प्रदेश सरकार ने एक आदेश जारी कर औद्योगिक क्षेत्र का रखरखाव करने और मेनटेनेन्स शुल्क वसूलने का अधिकार यूपीसीडा को दे दिया। इस आदेश के बाद नगर निगम ने औद्योगिक क्षेत्र का रखरखाव बंदकर दिया। यूपीसीडा के अधीन व्यवस्था आते ही मेनटेनेन्स शुल्क का नोटिस भेजना शुरू किया। यूपी ईस्टर्न चौंबर ऑप कॉमर्स के अध्यक्ष विनय टंडन ने बताया कि यूपीसीडा ने जब से व्यस्था नगर निगम को दी थी, तभी से मेनटेनेन्स शुल्क का नोटिस भेज दिया।

श्रद्धालुओं को लुभा रहा इलाहाबादी अमरूद

प्रयागराज। अपने बेमिसाल स्वाद के लिए जाना जाने वाला इलाहाबादी अमरुद श्रद्धालुओं को खूब लुभा रहा है। संगम स्नान के बाद लोग अमरुद को खाना खूब पसंद कर रहे हैं। शहर में जगह–जगह ठेलों पर अमरुद की खूब बिक्री हो रही है। इलाहाबादी अमरुद अपने स्वाद और रंग–रूप से हर किसी को आकार्षित कर रहा है। संगम स्नान कर लौट रहे स्नानार्थी अमरुद को चख कर खरीदारी कर, बड़ी मात्रा में घर भी ले जा रहे हैं। इलाहाबादी अमरूद 100 रुपये तो वही देशी 50 रुपये प्रतिकिलो के हिसाब से बिक रहा है। सिविल लाइंस में अमरूद की बिक्री कर रहे विक्रेता प्रदीप ने बताया कि दुकान पर आने वाला हर कोई अमरूद को चख रहा है। दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालु भी अमरूद की खरीदारी कर साथ ले जा रहे है।

प्रदेश सरकार के बजट में स्मार्ट सिटी को संजीवनी

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के आगामी वित्तीय वर्ष के बजट से स्मार्ट सिटी में और नियोजित विकास की उम्मीद जगी है। बजट में 400 करोड़ का प्रस्ताव रखा गया है। प्रयागराज समेत लखनऊ, आगरा, झांसी, वाराणसी, अलीगढ़, सहारनपुर, कानपुर, बरेली और मुरादाबाद को बजट से फायदा होगा। प्रयागराज समेत सूबे के 10 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने वाली कंपनियों को 31 मार्च तक कामकाज समेटने के लिए कहा गया था। केंद्र सरकार वित्तीय वर्ष 2025–26 के आम बजट में स्मार्ट सिटी के लिए प्रत्यक्ष राशि का प्रावधान नहीं किया था। इससे स्मार्ट सिटी बनाने वाली कंपनियों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया था। तमाम कोशिशों के बाद भी कंपनियां अपनी आय का स्रोत नहीं बढ़ा पा रही है।

महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ के पार पहुंची, सारे अनुमान ध्वस्त

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। शनिवार को गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ के पार हो गई है। आस्था का जनज्वार लगातार संगम की ओर अभी बढ़ ही रहा है।

शनिवार को भी संगम पर आस्था हिलोर मारती दिखी। हर मार्ग पर श्रद्धालुओं का रेला चल रहा है। आस्था के जनज्वार का अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि दिन में 12 बजे तक ही 71 लाख से अधिक लोग संगम स्नान कर चुके थे। इसी के साथ महाकुंभ में कुल स्नानार्थियों की संख्या भी 60 करोड़ पार हो गई।

महाकुंभ के समापन में अब महज चार दिन शेष हैं। इसके अलावा साप्ताहिक अवकाश है। ऐसे में शनिवार को अधिक भीड़ की उम्मीद पहले से थी और इसकी झलक भी शुक्रवार शाम को दिख गई। श्रद्धालुओं के आने का क्रम शुक्रवार रात से ही शुरू हो गया था। शनिवार की सुबह तो हर प्रमुख मार्ग पर लोग ही दिख रहे थे। मेला प्रशासन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार शनिवार को दिन में 12 बजे तक 71.18 लाख लोग स्नान कर चुके थे। वहीं शुक्रवार तक कुल 59.31 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। इस तरह से शनिवार को दिन में 12 बजे तक ही 60.02 करोड़ से अधिक लोग संगम में डुबकी लगा चुके थे। जबकि, इसके बाद भी भीड़ लगातार बढ़ रही थी।

पौष पूर्णिमा स्नान के साथ 13 जनवरी को महाकुंभ की शुरुआत हुई थी। इस तरह से शनिवार तक 41 दिन हो गए। खास यह कि तारीख आगे बढ़ने के साथ संगम में डुबकी को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता गया। इसका अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि इन 41 में से 23 दिन एक करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया। इनमें भी सात दिन तो दो करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि 26 जनवरी से 22 फरवरी के बीच यानि, 28 में से 21 दिन एक करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया। भीड़ को देखते हुए अगले चार दिनों तक भी यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है।

शनिवार को लगातार आठवां दिन रहा जब, एक करोड़ से अधिक लोगों ने संगम स्नान किया। पिछले शनिवार को ही यह सिलसिला शुरू हुआ था जो अब भी जारी है। इससे पहले 26 जनवरी से तीन फरवरी तक का ही समय रहा जब लगातार आठ दिनों तक हर रोज एक करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया। जबकि, मौनी अमावस्या एवं वसंत पंचमी अमृत स्नान पर्व भी इसी दौरान पड़े थे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का क्रम लगातार बना हुआ है। ऐसे में अगले दिन भी हर रोज एक करोड़ से ज्यादा लोगों के स्नान करने की उम्मीद है। यदि, ऐसा हुआ तो लगातार 12 दिनों तक स्नानार्थियों की संख्या हर रोज एक करोड़ से अधिक होगी।

गंगा जल में 50 गुना रोगाणुओं को मारकर सेकेंडों में उसका आरएनए हैक कर ले रहा बैक्टीरियोफेज

प्रयागराज। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम भी जिस वैज्ञानिक का लोहा मानते रहे, उन्हीं पद्मश्री डॉक्टर अजय सोनकर ने महाकुंभ में गंगा जल को लेकर अब सबसे बड़ा खुलासा किया है। उनका दावा है कि गंगा नदी की अपनी अद्भुत स्व–शुद्धिकरण क्षमता इस खतरे को तुरंत टाल देती है। इसका रहस्य गंगा में पाए जाने वाले बैक्टीरियोफेज हैं। जो प्राकृतिक रूप से गंगा जल की सुरक्षा का कार्य करते हैं।

गंगा दुनिया की इकलौती मीठे जल वाली नदी है, जिसमें एक साथ इतने बैक्टीरिया मारने की अद्भुत ताकत है। मानव जनित सभी प्रदूषण को नष्ट करने के लिए इसमें 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं।उनके दावों के अनुसार गंगा मैया की ताकत समुद्री जल के समान है। इसमें पाया जाने वाला बैक्टीरियोफेज प्रदूषण और हानिकारक बैक्टीरिया का समूल नाश कर खुद भी विलुप्त हो जाता है।

डॉ सोनकर का कहना है कि पूरी दुनिया में कैंसर, डीएनए–बायोलॉजिकल जेनेटिक कोड, सेल बायलॉजी एंड ऑटोफैगी पर बड़े महत्वपूर्ण शोध किए हैं। यही नहीं नीदरलैंड की वेगेनिंगन यूनिवर्सिटी, राइस यूनिवर्सिटी, ह्यूस्टन अमेरिका, टोक्यो इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के साथ काम किया है। उनका दावा है कि बैक्टीरियोफेज, बैक्टीरिया से 50 गुना छोटे होते हैं। जब लाखों लोग गंगा में डुबकी लगाते हैं, तब शरीर से निकलने वाले रोगाणुओं को गंगा खतरा समझती है। तत्काल प्रभाव से बैक्टीरियोफेज सक्रिय हो जाते हैं।

डॉक्टर अजय भारत के वो वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने अपने अनुसंधान से समुद्र में मोती बनाने की विधा में जापान के एकाधिकार को न सिर्फ समाप्त कर दिया बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा और बहुमूल्य मोती बना कर पूरी एक ग्लोबल वेव पैदा कर दी थी। डॉ अजय ने नीदरलैंड की वेगेनिंगन यूनिवर्सिटी से कैंसर और न्यूट्रिशियन पर बड़ा काम किया है। इसके अलावा न्यूट्रिशियन, हार्ट की बीमारियों और डायबिटीज पर भी इनका रिसर्च है।

महाकुंभ में आने वालों से कहीं ज्यादा जाने वाले यात्री, रोजाना बढ़ रही संख्या

प्रयागराज। हवाई सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में प्रतिदिन इजाफा हो रहा है। लेकिन, हैरानी की बात ये है कि प्रयागराज आने वालों की तुलना में यहां से जाने वाले यात्रियों की संख्या ज्यादा है। सिर्फ इसी महीने के आंकड़ों की बात करें तो प्रयागराज एयरपोर्ट पर लैंड करने वालों की तुलना में 11 फीसदी अधिक यात्रियों ने दूसरे शहरों के लिए उड़ान भरी थी। महाकुम्भ

शुरू होने के बाद हवाई यात्रियों के सफर में एक फरवरी से इजाफा होना शुरू हुआ। औसतन 14 हजार यात्री प्रतिदिन हवाई सफर कर रहे हैं। एक से 20 फरवरी तक 132623 यात्रियों ने प्रयागराज एयरपोर्ट पर लैंड किया। वहीं, इतने ही दिनों 148801 यात्रियों ने दूसरे शहरों के लिए सफर किया। औसतन यात्रियों के जाने की संख्या ज्यादा रही। इन आंकड़ों के आधार पर आगमन की अपेक्षा 11 फीसदी अधिक जाने वालों ने हवाई सफर किया। 20 फरवरी को 11077 यात्री प्रयागराज पहुंचे तो 12259 यात्रियों ने दूसरे शहरों के लिए हवाई यात्रा की थी। इसी तरह 19 फरवरी को 10583 यात्री आए जबकि 10636 यात्री गए। वहीं, 18 फरवरी को विमान से 11585 यात्री आए तो 11611 यात्री दूसरे शहर गए। 17 फरवरी को भी 9676 आए और 9995 यहां से बाहर गए। इस अंतर के पीछे का कारण यह बताया जा रहा है कि कुम्भनगरी में आए श्रद्धालु अब धीरे–धीरे जाने लगे हैं। कई श्रद्धालु किसी वीआईपी के साथ आए और ठहर गए। अब विमानों से लौटना शुरू किया है। 130 विमान, 90 चार्टर प्लेन से 23336 यात्रियों ने की यात्रा प्रयागराज एयरपोर्ट पर विमानों की संख्या 100 से कम नहीं हो रही है। 20 फरवरी को 130 विमान, 90 चार्टर प्लेन से 23336 यात्रियों ने सफर करके रिकॉर्ड बनाया। अभी तक एक दिन में 23 हजार से अधिक यात्रियों ने हवाई यात्रा नहीं की थी। एयरपोर्ट पर लगातार यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है। 20 फरवरी को नॉन शेड्यूल की 45 चार्टर प्लेन से 116 यात्री प्रयागराज आए, जबकि उतने ही चार्टर प्लेन से 260 यात्री दूसरे शहरों के लिए रवाना हुए। वहीं शेड्यूल की 65 विमानों की आवाजाही हुई। इनमें इंडिगो की 20, एलाइंस एयर की छह, अकासा की चार, स्पाइस जेट की 18 और एयर इंडिया के 17 विमान शामिल रहे। विमानों से प्रयागराज एयरपोर्ट पर 11077 यात्री आए और 12259 यात्रियों ने दूसरे शहरों के लिए उड़ान भरी।

महाशिवरात्रि स्नान तक प्रयागराज से गुजरेंगी कई ट्रेनें, कई हुई कैंसिल, देखें लिस्ट

प्रयागराज। रेलवे ने प्रयागराज में रेलवे ट्रैक खाली रहने के लिए लम्बी दूरी की कई ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया है। ये ट्रेने प्रयागराज होकर नहीं गुजरेंगी। 12506 आनंद विहार ट. कामाख्या, 15657 दिल्ली–कामाख्या, 12506 आनंद विहार ट. कामाख्या 22 फरवरी को प्रयागराज जंक्शन के बजाय परिवर्तित मार्ग से जाएंगी। इसी तरह 24 व 25 फरवरी को 15657 दिल्ली –कामाख्या, 12506 आनंद विहार ट. कामाख्या प्रयागराज के बजाय मुरादाबाद होकर जाएंगी।

26 फरवरी को 12669 चेन्नई–छपरा, 20933 उधनाझदानापुर, 11061 लोकमान्य तिलक ट. जयनगर, 12488 आनंद विहार ट–जोगबनी, 15484 दिल्ली–अलीपुरद्वार जं, 15657 दिल्ली–कामाख्या, 12506 आनंद विहार ट. –कामाख्या, 15633 बीकानेर–गुवाहाटी, 22670 पटना–एर्नाकुलम, 11062 जयनगर–लोकमान्य तिलक आदि ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन नहीं आएगी।

ये ट्रेनें कैंसिल

रेलवे ने दिल्ली रूट की एक दर्जन ट्रेनों को निरस्त

कर दिया है। 22, 23, 24 फरवरी को ये ट्रेनें रद्द रहेंगी। 22 फरवरी को ट्रेन नंबर 12368 नई दिल्ली–भागलपुर और 12176 ग्वालियर हावड़ा ट्रेन रद्द रहेगी। 12802 नई दिल्ली–पुरी, 12312 कालका–हावड़ा, 12368 नई दिल्ली–भागलपुर, 12428 आनंद विहार ट. रीवा, 15160 दुर्ग–छपरा, 22308 बीकानेर–हावड़ा, 18102 जम्मू तवी–टाटा नगर, 19483 अहमदाबाद–बरौनी, 22911 इंदौर–हावड़ा, 01027 दादर–गोरखपुर, 11059 लोकमान्य तिलक ट.–छपरा 23 फरवरी को रद्द रहेगी। वहीं 24 फरवरी को 12802 नई दिल्ली–पुरी, 12312 कालका–हावड़ा, 12368 नई दिल्ली–भागलपुर, 12428 आनंद विहार ट. रीवा, 15160 दुर्ग–छपरा, 22308 बीकानेर–हावड़ा, 18310 जम्मू तवी–संबलपुर, 19045 सूरत–छपरा, 19483 अहमदाबाद बरौनी, 12178 मथुरा–हावड़ा, 01027 दादर–गोरखपुर, 11055 लोकमान्य तिलक ट.–गोरखपुर रद्द रहेगी।

महाकुम्भ के 42 दिनों में 14560 ट्रेनों का किया गया संचालन

रेलवे ने महाकुम्भ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 10 जनवरी से 28 फरवरी तक 13400 ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई थी, लेकिन अप्रत्याशित भीड़ के कारण महज 42 दिनों में ही 14560 ट्रेनों का संचालन किया जा चुका है। इस उपलब्धि के पीछे वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्रीकृष्णा शुक्ला और उनकी टीम का बेहतरीन प्रबंधन रहा। महाकुम्भ के दौरान ऐसे 10 अवसर आए जब रेलवे को एक ही दिन में 100 से अधिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन करना पड़ा। श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी अधिक थी कि छोटी सी चूक भी किसी अनहोनी का कारण बन सकती थी।

लेकिन रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हर संभव उपाय किए। इस दौरान 2000 लोको पायलट, 2000 गार्ड और 1200 अन्य कर्मचारियों ने दिन–रात मेहनत करके श्रद्धालुओं की सहायता की। आमतौर पर रेलवे कर्मचारियों की ड्यूटी आठ घंटे की होती है, लेकिन महाकुम्भ के दौरान कर्मचारियों ने 12 से 18 घंटे तक लगातार सेवा दी।

संयुक्त जिला अस्पताल की लाइन में लगे डीएम, व्यवस्था की ली टोह

मथुरा। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी टोह ली। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जिला संयुक्त चिकित्सालय वृंदावन (सौ सैय्या अस्पताल वृंदावन) का औचक निरीक्षण किया।उन्होंने आम नागरिक की तरह लाइन में लग कर पूछताछ खिड़की पर पर्चा बनवाया। इसके बाद अस्पताल स्टाफ के बारे में जानकारी ली। अस्पताल में विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने एनआरसी सेंटर का भ्रमण कर कुपोषित बच्चों का हाल चाल जाना। एनआरसी में माताओं से खान, पानी, दवा आदि की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने माताओं से कहा कि अपना और अपने बच्चों का ख्याल रखें। अस्पताल में संचालित रसोई का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने सब्जी, दाल, चावल आदि की गुणवत्ता को परखा। परखने पर जिलाधिकारी को गुणवत्ता सही नहीं मिली। जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि खाना की गुणवत्ता में सुधार लाएं। सुधार न करने पर ब्लैक लिस्ट करके प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने अस्पताल में रखे हुए सभी रजिस्टरों का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट साफ सफाई के निर्देश दिए। मरीजों के परिजनों के लिए बैठने, पेजयल, शौचालय आदि की व्यवस्था होनी चाहिए।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने संगम में किया स्नान, बोले- देश की आत्मा सनातन संस्कृति में बसती है

प्रयागराज। राज्यपाल ने महाकुंभ में भाग लेकर तमिलनाडु के लोगों की सुख–समृद्धि, शांति और उन्नति के लिए विशेष प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा सनातन संस्कृति में बसती है। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि शनिवार को महाकुंभ 2025 में स्नान कर इस महापर्व का हिस्सा बने। उन्होंने कहा कि यह दिव्य और भव्य महाकुंभ सनातन संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है, जो भारत की अखंडता, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक गौरव को दर्शाता है। इस ऐतिहासिक पर्व में अब तक लगभग 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं, जो श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश के संकल्प को सुदृढ़ करता है।

नगर पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व में भयहरण नाथ धाम में चला सफाई अभियान

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 25 वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि मेला के मद्देनजर नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के स्वच्छताग्रहियो द्वारा अधिशाषी अधिकारी के

मार्गदर्शन व अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अध्यक्ष मुन्ना यादव ने सभी स्वच्छताग्रहियो को मेला व महोत्सव के सुअवसर पर निष्ठा के साथ निरंतर सफाई में सहयोग की अपील की। स्थानीय कार्यकर्ताओ ने भी प्रतिभाग कर धाम परिसर में साफ सफाई बनाये रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

गङ्गानाथ झा परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

प्रयागराज सकेंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस आयोजन की रजत जयन्ती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिसर के उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं ने अपनी अपनी मातृभाषा का परिचय देते हुए प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को व्यवहारिक, प्रासंगिक एवं मातृभाषा के प्रति अनुराग का माध्यम बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने किसी भी अभिव्यक्ति की प्रथम भाषा मातृभाषा ही बताया। कार्यक्रम में भारत की विभिन्न भाषाओं की मिठास से सभी लोग अवगत हुए। कार्यक्रम में जहाँ जयकिशन नैनानी ने सिंधी भाषा की मधुरता से सभी को परिचित कराया वहीं बसन्त कोइराला ने अपनी मातृभाषा नेपाली में कविता पाठ किया। शालू कुमारी एवं

डॉ. पंकज कुमार शर्मा मे बृजभाषा में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। सोनाली, अनुराग शर्मा एवं धीरज कुमार ने बुन्देली भाषा की अपनी अभिव्यक्ति से सभी को आनन्दित कर दिया। अवधी भाषा की अपनी अलग अलग प्रस्तुतियों द्वारा प्रो. अपराजिता मिश्रा एवं दीपा शर्मा ने भाषा की गहनता से सभी का परिचय कराया। दीपा शर्मा द्वारा अवधी भाषा में की गई हास्य कविता ने सभी के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। इसी प्रकार अश्विनी राजेश लंके ने मराठी, प्रो. देवदत्त सरोदे ने तमिल भाषा, अर्जुन कुमार मण्डल ने मैथिली भाषा में तथा राजेशकान्त तिवारी ने फतेहपुर की लोक भाषा में अपनी स्वरचित हास्य कविता द्वारा सभागार में उपस्थित सभी लोगों को हास्य के रंग से सराबोर कर दिया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने बंगाली भाषा में अपना उद्‌बोधन आरम्भ करते हुए भोजपुरी भाषा के बढ़ती लोकप्रियता से सभी को अवगत कराया। अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम के गुलदस्ते में विभिन्न भाषाओं के सुन्दर पुष्प पल्लवित हुए जिनकी सुगन्ध ने समस्त परिसर को अपनी दिव्य सुगन्ध से भर दिया। समस्त उपस्थित जनों का स्वागत एवं कार्यक्रम का संचालन राजेशकान्त तिवारी ने किया।

कार्यक्रम का संयोजन पुरालिपि एवं हस्तलेख विभागाध्यक्ष प्रो. अपराजिता मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में गंगानाथ झा परिसर के शोधविकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे, वेदविभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. शुभश्री दास, डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, डॉ. पंकज कुमार शर्मा, अश्विनी राजेश लंके समेत परिसरीय अधिकारी, कर्मचारी, शोधच्छात्र तथा अन्य छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

महाकुम्भ में तिल रखने तक की जगह नहीं

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ मेला में सिर्फ पांच दिन शेष बचे हैं। मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में एकबार फिर से अप्रत्याशित ढंग से बढ़ोतरी होने लगी है। मेला क्षेत्र में शनिवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ दिख रही है। मेला के प्रवेश मार्ग व निकासी मार्ग पर तिल रखने तक की जगह नहीं बची है।

24 फरवरी को सनातन संत सम्मेलन से होगा 25वें महाकाल महोत्सव का आगाज

25 को पंचायत व विकास सम्मेलन तथा 27 को पत्रकार सम्मेलन का होगा आयोजन

महाशिवरात्रि 26 फरवरी को भीड के मददेनजर नही होगें मंचीय आयोजनः महासचिव

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में 25 वां महाकाल महोत्सव 24 फरवरी से 27 फरवरी तक भव्यता से मनाया जायेगा। सनातन संत सम्मेलन से 25 वें महाकाल महोत्सव व मेले का शुभारम्भ होगा। 25 को पंचायत व विकास सम्मेलन तथा 27 फरवरी को पत्रकार सम्मेलन का आयोजन होगा। 25 फरवरी की रात्रि में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। 26 फरवरी महाशिवरात्रि को भीड के मददेनजर मंचीय आयोजन नही होगें गत वर्षों की भांति मेला नियंत्रण व भूला भटका शिविर का आयोजन किया जायेगा।

यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि महोत्सव में विविध धार्मिक, सांस्कृतिक व जागरूकता परक आयोजन होगें। परन्तु प्राथमिकता मेला व महोत्सव में सुव्यवस्था की रहेगी। इस वर्ष महोत्सव व मेले का केन्द्रीय विषय महाकुम्भ का महात्म्य व समाज पर उसका प्रभाव होगा। 24 फरवरी को दोपहर 12 बजे से सामूहिक शिवभिषेक करके सनातन संत सम्मेलन से महोत्सव का भव्य शुभारम्भ होगा। मुख्य अतिथि के रूप में श्रृंवेरपुर धाम के पीठाधीश्वर स्वामी श्री कमल नयन दास जी महराज होगें। अध्यक्षता सुप्रसिद्ध कथा व्यास पन्डित विजय कान्त तिवारी जी करेगें। विशिष्ट अतिथि के रूप में घुश्मेश्वर नाथ धाम से महंत मयंक भाल गिरि जी, शनिदेव धाम से महन्त मंगला चरण मिश्र जी, बेलखरनाथ धाम से महन्त बद्री नाथ गिरि जी, हौदेश्वर नाथ धाम से सचिव विजय ओझा, भयहरणनाथ धाम के मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी तथा महन्त चेतन गिरि विच्छू दास, बालुकेश्वर नाथ धाम के महन्त बृजेश गिरि जी महराज तथा संकट हरणी धाम के सचिव विद्या सागर सिंह प्रतिभाग करेगें। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध जनकवि जय प्रकाश शर्मा प्रकाश जी की पुस्तक महासमर के पूर्व पुस्तक का समर्पण व श्री भयहरणनाथ धाम खण्ड काव्य का प्रस्तुतीकरण होगा। हरि कीर्तन मंडल पूरे तोरई व यू पी एस माडल स्कूल द्वारा क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजन सत्संग का आयोजन होगा।

गोरखपुर ईकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

गोरखपुर। शहर समता विचार मंच गोरखपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी सरिता सिंह एवं उमा उपाध्याय के संयोजन में चित्रा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ.क्षमा त्रिपाठी रहीं। यह काव्य गोष्ठी 4 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही चित्रा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अनामिका शर्मा अनु द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन चित्रा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में समस्त प्रतिभागी साहित्य अनुरागिनियों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। जिसमें सरिता सिंह–प्रेम प्रेम है ,चित्रा श्रीवास्तव–क्या वहाँ अब भी,बृजकिशोरी त्रिपाठी–एक सैनिक की ,अनामिकाशर्मा–देखो सखी, प्रेम लता ने–नारी चुप रहती है ,उमा उपाध्याय –क्या छिपा रखा है ,सलोनी त्रिपाठी–क्या लिखूँ मैं, प्रीति त्रिपाठी–बासंती ऋतु और शैलजा सतीश ने बसंत की तरह कविताएं पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन चित्रा श्रीवास्तव ने किया।

सांस्कृतिक गौरव को समर्पित चित्र प्रदर्शनी लुभा रही है श्रद्धालुओं को

प्रयगराज। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा 'लोकपर्व' के अन्तर्गत महाकुम्भ 2025 के सेक्टर 7 स्थित शिविर में वृहत्तर भारत के सांस्कृतिक गौरव और ऋषि परम्परा के योगदान पर आधारित चित्र प्रदर्शनी आगत तीर्थयात्रियों व पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। प्रदर्शनी में वैज्ञानिक ऋषियों के चित्रों के साथ–साथ देश के लिए उनके योगदान को भी संक्षेप मे इंगित किया है। प्रदर्शित चित्रों में महर्षि याज्ञवल्क्य के पुत्र कात्यायन ऋषि के सूल्ब सूत्र में खगोलीय परिवर्तनों और दिशाओं के पता लगाने की विधि, सूर्य विज्ञान ज्यामितीय विधि के क्षेत्र में उनके योगदान को बताया गया है। भारतीय खगोल विज्ञानी आज इसको भारती वृत्त विधि के रूप में जानते है। इसी तरह भारतीय अंक विज्ञान के प्रणेता महर्षि मेंधातिथि का चित्र भारतीय अंको का परिचय दे रहा है। यजुर्वेद के एक मंत्र में वार्णित संकेतों के आधार पर मेधातिथि के अंक विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान का परिचय दे रहा है। यजुर्वेद के एक मंत्र को में वर्णित संकेतो के आधार पर मेधातिथि ने इकाई से लेकर परार्ध तक की गिनतियों की दषम पद्धति को उद्‌घाटित किया। वे अपनी गणनाओं में दस और इसके गुणकों का उपयोग करते थे। शून्य और दशमलव की खोज मेघातिथि ने ही की थी।

शुक्राचार्य की शुक्रनीति, राजा, उसके महत्त्व और कर्त्तव्य, सामाजिक व्यवस्था के प्रतिपादन की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण नीति ग्रंथ है। इन्हे मृतसंजीवनी विद्या प्राप्त थी। प्रदर्शनी में पृथ्वी के प्रथम राजापृथु का चित्र, उनके द्वारा पृथ्वी का समतलीकरण और कृषि कार्य का शुभारम्भ, उनके समाज के प्रति योगदान को रेखांकित करता है।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
Central Board of Secondary Education

आवश्यक सूचना

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवी और बारहवी की वार्षिक परीक्षाएं 15.02.2025 से प्रारंभ हो चुकी है। बोर्ड परीक्षाओं की तिथि सारणी में पहले से ही अवगत कराया गया है कि बोर्ड परीक्षाएँ प्रातः 10:30 बजे (भारतीय समय अनुसार) शुरू होंगी। अतः सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा के दिन सुबह 10:00 बजे तक परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना आवश्यक है।

इसके साथ यह भी ध्यान दें कि पूर्व निर्धारित सारणी के अनुसार दिनाँक 25.02.2025 (विषय-सामाजिक विज्ञान, कक्षा-10) एवं दिनांक 27.02.2025 (विषय- रसायन विज्ञान, कक्षा-12) की परीक्षा देश के अन्य जनपदों के साथ प्रयागराज जनपद में भी आयोजित होगी। वहीं, दिनांक 26.02.2025 को महाशिवरात्रि के मुख्य स्नान के कारण प्रयागराज और निकटवर्ती क्षेत्रों में भारी भीड़ होने की भी संभावना है।

अतः प्रयागराज जनपद में बोर्ड की मुख्य परीक्षा 2025 में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों को यह सलाह दी जाती है कि वे उक्त आयोजन के कारण विभिन्न जगहों पर भीड़ और ट्रैफिक की स्थिति को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र पहुंचने की योजना पहले से बना लें और निर्धारित समय से परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें।

क्षेत्रीय अधिकारी
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
क्षेत्रीय कार्यालय
प्रयागराज उत्तर प्रदेश

cbc21107/12/0012/24-25

प्रकृति रंग–विज्ञान

(कुण्डलिया)

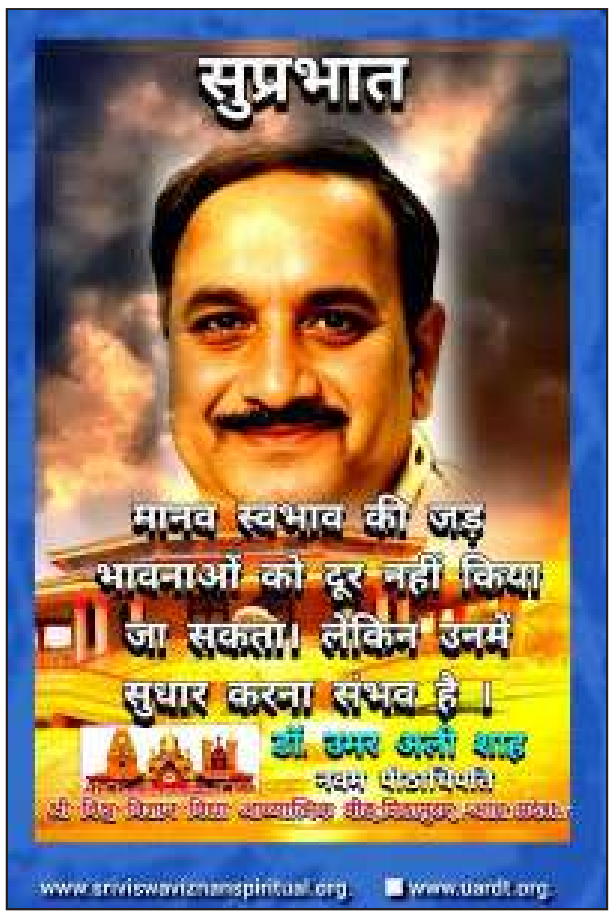

फाल्गुन अंतर्चेतना,प्रकृति रंग–विज्ञान।
शोध विषय के साथ में,है रहस्यमय ज्ञान।
है रहस्यमय ज्ञान,और अनबूझ पहेली।
रहती हरदम पास,बनी यह सखी–सहेली।
सुन लो कहें प्रदीप,देख तू आपना औगुन।
रचकर नेक विधान,बताता है प्रिय फाल्गुन।।

आया फागुन द्वार पर,कहने को यह बात।
पट खोलो अब द्वार का, मौसम लाया सौगात।
मौसम लाया सौगात, सुहानी उन यादों के।
जिसमें रहता प्यार, सुरक्षित हर वादों के।
सुन लो कहें प्रदीप,सुखद पल प्यारा छाया।
रंगों का त्योहार, हमारे घर जब आया।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

बीडीओ ने किया गौशाला का निरीक्षण

गोवर्धन। नवागत खंड विकास अधिकारी गिरीश पंत ने शनिवार को गांव पेंठा में स्थित बृहद गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। विदित हो कि अभी कुछ दिनों पूर्व जिलाधिकारी ने भी यहां का निरीक्षण किया था। बीडीओ ने बताया डीएम ने निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने साफ सफाई व खरंजा निर्माण के आदेश दिए थे। निरीक्षण में पाया कैमरे लगवाए जा चुके हैं साफ सफाई हो रही है। खरंजा रह गया है। बीडीओ ने गायों के खाने–पीने साफ सफाई आदि व्यवस्थाओं को चौक कर गौ वंशों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो के निर्देश अधीनस्थों को दिए। वहीं जल्द खरंजा लगवाए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

प्रधानमंत्री आदर्श गांवों में 100 प्रतिशत पात्रों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

मथुरा। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने अवगत कराना है कि जनपद मथुरा में प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत चयनित ग्रामों में राष्ट्रीय वृद्धावस्था, निराश्रित महिला एवं दिव्यांगजन पेंशन के लाभार्थियों को पेंशन एवं आयुष्मान सम्बन्धी आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए शिविरों (कैम्पों) का आयोजन कर समस्याओं का निराकरण किया जाना है। समाज कल्याण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, प्रोबेशन विभाग द्वारा संचालित समस्त पेंशन योजनान्तर्गत एवं चिकित्सा विभाग द्वारा लाभार्थियों को लाभान्वित किये जाने योजनाओं के प्रचार प्रसार के साथ साथ योजनाओं के आवेदन पत्र भरवाये जाने हेतु प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत चयनित ग्रामों के पंचायत घर पर शिविरों का आयोजन किया जाना है। जिसके तहत 24 फरवरी को फरह ब्लॉक के पंचायत घर दौलतपुर फरह, महुअन, सलेमपुर फरह, कवैला बाकलपुर व रोसु जलाल में शिविर का आयोजन होगा। 27 फरवरी को बल्देव ब्लॉक के पंचायत घर अंगाई, महावन बांगर हसनपुर व खानपुर में शिविर लगाए जाएंगे। एक मार्च को चौमुंहा ब्लॉक के पंचायत घर भौगांव बांगड़ व नरी, छाता ब्लॉक के पंचायत घर कजरौत बांगर व चौधरीस बांगर तथा फरह ब्लॉक के पंचायत घर नगला अबुआ में वहीं चार मार्च को मांट ब्लॉक के पंचायत घर बिजौली बांगर, किनाराय बांगर, भद्रवन व बेगमपुर बांगर तथा गोवर्धन ब्लॉक के पंचायत घर बोरपा में होगा। छह मार्च को मथुरा ब्लॉक के पंचायत घर बाजना, जुनसुति, लाडपुर, नगला कासी व अगनपुरा में शिविरों का आयोजन होगा। 10 मार्च को मथुरा ब्लॉक के पंचायत घर बबुरी तथा नौहझील ब्लॉक के पंचायत घर मखदूमपुर बांगर, भूरेका, नबीपुर व डेडाना बैंगर में होगा। 12 मार्च को राया ब्लॉक के पंचायत घर अयेरा व नगला भरऊ में होगा। सभी शिविर प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेंगे। इस दौरान ग्रामीण अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं।

सम्पादकीय.....

रेखा के हवाले दिल्ली

ढाई दशक बाद भाजपा के दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के उपरांत ग्यारह दिन की गोपनीयता के बाद बुधवार को नये मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के नाम का खुलासा हुआ। बृहस्पतिवार को तमाम तामझाम के साथ रामलीला मैदान में उनका राज्याभिषेक भी हो गया। प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय मंत्रियों, राजग के घटक दलों के नेताओं और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों तथा भाजपा के दिग्गजों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के अलावा छह मंत्रियों ने शपथ ली। शपथ लेने के बाद रेखा गुप्ता ने दिल्ली को संपन्न,विकसित, आत्मनिर्भर बनाकर राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प जताया। वे सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित व आतिशी के बाद चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। यह संयोग ही है कि वे भी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरह वैश्य बिरादरी से ताल्लुक रखती हैं और हरियाणा मूल की हैं। वे हरियाणा मूल की तीसरी मुख्यमंत्री हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिला वोटरों ने राजनीतिक परिदृश्य बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है। फलतरू राजनीतिक दलों ने महिला मतदाताओं को लुभाने के लिये लुभावनी योजनाएं घोषित की हैं। ऐसी योजनाओं का असर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड के हालिया चुनावों में देखने को भी मिला है। ऐसे में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने महिला मतदाताओं को यह संदेश देने का प्रयास भी किया है कि महिलाएं उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल हैं। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने महिलाओं को हर माह पच्चीस सौ रुपये देने का वायदा इसी मकसद से किया था। वैसे ऐसी ही घोषणाएं कांग्रेस व आप ने भी की थी। उल्लेखनीय तथ्य है कि भाजपा शासित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में रेखा गुप्ता पहली महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं दूसरी ओर एक बार उनके चयन से भाजपा ने फिर साबित किया कि संघ व उसके आनुषंगिक संगठनों से आये नेताओं को ही शीर्ष पदों के चयन में वरीयता दी जाती है। वहीं रेखा गुप्ता इस मायने में भाग्यशाली हैं कि वे पहली बार विधायक बनने के बावजूद मुख्यमंत्री का ताज हासिल करने में सफल रही हैं। हालांकि, वह भाजपा के विभिन्न संगठनों में पिछले तीन दशकों से सक्रिय रही हैं और तीन बार दिल्ली नगर निगम पार्षद भी रही हैं। हालांकि, इससे पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाये जाने को लेकर खूब चर्चा रही। इसकी वजह उनकी राजनीतिक विरासत के अलावा, उनका आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को हराना भी था। जनता ने भी उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री की टक्कर का मानकर जिताया। कयास लगाये जा रहे थे कि कई कारणों से नाराज जाट समुदाय को मनाने की कोशिश में उन्हें यह पद मिल सकता है। लेकिन जैसा कि भाजपा की रणनीति रही है, वह राजनीति में परिवारवाद के तमगे से बचने का प्रयास करती रही है। राष्ट्रीय स्तर पर परिवारवाद का विरोध भाजपा का मुख्य एजेंडा भी रहा है। कुछ विवाद भी प्रवेश वर्मा की बयानबाजी को लेकर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक मर्यादा को लांघने वाले रेखा गुप्ता के पुराने ट्वीट भी सोशल मीडिया पर खासे वायरल हो रहे हैं। वैसे तो भाजपा कह सकती है कि डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा देगी। लेकिन नई मुख्यमंत्री को आप सरकार के शैक्षिक सुधारों, मुफ्त बिजली–पानी, मोहल्ला क्लीनिक व अन्य लोककल्याण के कार्यक्रमों के बड़े विकल्प देने होंगे। दिल्ली की जनता लगातार प्रदूषण, जल भराव, विकास, कूड़े के ढेरों तथा ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रही है। पूर्व मुख्य मंत्रियों व एलजी से टकराव के चलते दिल्ली के विकास की गति थम सी गई थी। एक महिला मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें बेटियों की सुरक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि फिर दिल्ली में निर्भया कांड जैसे हादसे न हों। वहीं चुनाव के दौरान भाजपा के प्रमुख एजेंडे में शामिल रही यमुना की सफाई को भी उन्हें अपनी प्राथमिकता बनानी होगी। वहीं उन्हें ध्यान रखना होगा कि भले की आम आदमी पार्टी सत्ता से बाहर हुई हो,लेकिन अच्छे–खासे विधायकों के साथ वह एक मजबूत प्रतिरोधी विपक्ष के रूप में विधानसभा में मौजूद है।

दिल्ली में कांग्रेस से बड़ी रेखा खींचनी होगी भाजपा को

दिल्ली विधानसभा चुनाव के 8 फरवरी को घोषित नतीजों में जीत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने लगभग दो सप्ताह लगाये कि मुख्यमंत्री पद पर कौन विराजेगा। आखिरकार 19 फरवरी को मुख्यमंत्री पद के लिए रेखा गुप्ता का नाम तय हुआ और 20 फरवरी को रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में रेखा गुप्ता ने 6 मंत्रियों के साथ शपथ ली। मुख्यमंत्री चुनने के लिये इतना अधिक समय सम्भवतरू पहली बार उस भाजपा ने लिया जो अपने फैसले लागू करने के लिये इस मायने में मशहूर है कि उसका कोई विरोध नहीं कर सकता। फिर भी, इतना वक्त लेना बतलाता है कि रेखा गुप्ता का चयन आसानी से नहीं हुआ है। कहा जाता था कि इस पद के लिये प्रवेश वर्मा का नाम सबसे ऊपर था जो कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और अपने वक्त के कद्दावर नेता साहिब सिंह वर्मा के पुत्र हैं। जिस दिन नतीजे निकले थे, वे नयी दिल्ली सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल (आम आदमी पार्टी) को हराते ही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने चले गये थे। उनकी शाह से नजदीकी सर्वज्ञात है लेकिन जब मुख्यमंत्री चुनने की बारी आई तो उन्हें इस दौड़ से बाहर किया गया और उनके साथ ही दिल्ली के दूसरे कद्दावर भाजपा विधायक भी किनारे ही रहे। दूसरी ओर रेखा गुप्ता पहली बार ही शालीमार बाग विधानसभा सीट से जीत कर आई हैं। समझा जाता है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के पीछे संघ की सलाह रही। हालांकि रेखा गुप्ता के नाम पर भाजपा ने कुछ निशाने साधे हैं। केजरीवाल की तरह रेखा हरियाणा (जीन्द) से हैं और वैश्य समुदाय की हैं जो भाजपा का पक्का समर्थक वर्ग है। फिलहाल भाजपा में ब्राह्मण (राजस्थान में भजनलाल शर्मा व असम में हिमंता बिस्वा सरमा) से लेकर आदिवासी (छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय) और अन्य पिछड़ा वर्ग (मध्यप्रदेश में मोहन यादव व हरियाणा में नायब सिंह सैनी) हैं, लेकिन वैश्य समुदाय का कोई नहीं था। यह कमी भी दूर हो गयी। भाजपा शासित जितने भी प्रदेश हैं उनमें महिला मुख्यमंत्री किसी में नहीं हैं। अब वसुंधरा राजे के बाद रेखा गुप्ता तीसरी महिला मुख्यमंत्री भाजपा से बनी हैं। राजस्थान चुनाव में जीत हासिल करने के बाद वहां इस पद की सबसे मजबूत दावेदार वसुंधरा राजे सिंधिया की बजाये जब भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। संदेश गया था कि भाजपा एक ओर तो महिला आरक्षण व उनके सम्मान की बात करती है तो दूसरी ओर महिला को महत्वपूर्ण पद से हटाकर उनका अपमान करती है। रेखा गुप्ता को लाना उस दाग को मिटाने का प्रयास कहा जा सकता है। वहीं केजरीवाल के जेल जाने के बाद दिल्ली में तीसरी महिला मुख्यमंत्री के तौर पर आतिशी ने काम संभाला था। रेखा गुप्ता दिल्ली में सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी के बाद चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। तीन बार पार्षद व दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की मेयर रह चुकीं रेखा गुप्ता छात्र राजनीति से आई हैं। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी रहीं और दिल्ली विश्वविद्यालय की पहले महासचिव और बाद में अध्यक्ष बनी थीं। इस नाते वे युवा व छात्र वर्गों के बीच भी रास्ता बनाती हैं जो पार्टी को लाभ पहुंचाएगा। वे इस समय पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और दिल्ली के नगरीय निकाय में भी विभिन्न पदों पर रह चुकी हैं। एक और कारण यह भी माना जाता है कि क्यों वे इस पद के सर्वथा योग्य हैं, तो वह है उनके आक्रामक तेवर और भाषावली। सोशल मीडिया पर उनके वे पुराने ट्वीट तैर रहे हैं जो उन्होंने केजरीवाल के खिलाफ पोस्ट किये थे। अमर्यादित व कई नफरती पुरुषों को भी लजा देने वाले शब्दों से उन्होंने केजरीवाल को नवाजा था। ऐसी महिला को यह पद प्रदान करना बतलाता है कि भाजपा में ऊंचा पद पाने के लिये यह भी एक योग्यता है। हालांकि मंत्री बने कपिल मिश्रा और प्रवेश वर्मा भी अपने कटु बयानों के लिये जाने जाते हैं लेकिन भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने रेखा की भाषा को अधिक प्रभावशाली समझा होगा। दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सरकार आने पर अब आप के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन आदि पराजित हो चुके हैं और आप की पूर्ववर्ती सरकार के कामों का बचाव करने वाले प्रभावी लोग सदन में रहेंगे नहीं। शराब घोटाले की तलवार पहले से चल रही है। सत्येन्द्र जैन के खिलाफ मनी लॉड्रिंग का मामला चलाने की राष्ट्रपति से मंजूरी दो दिन पहले ही मिल गयी है और वे चुनाव भी हार चुके हैं। नयी मुख्यमंत्री और दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना मिलकर दिल्ली का कितना विकास करते हैं।

यह तो वक्त ही बतायेगा परन्तु दोनों मिलकर आप को नेस्तनाबूद करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे– यह तय माना जा रहा है, क्योंकि उसने भाजपा को तीन बार परास्त किया है। कांग्रेस की स्थिति सदन में तो शून्य है, यहां और सदन के बाहर उसे आप का ही सफाया करने की जरूरत है जिसके बाद वह खुद को लम्बे समय तक एकछत्र राज करने के काबिल मान रही होगी। फिर भी, रेखा गुप्ता के सामने कई चुनौतियां हैं। पहली तो है जनहित के मुद्दों को आप ने प्रमुख विमर्श बना दिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क आदि को लेकर उन्हें ठोस कार्य करने होंगे जिसकी भाजपा आदी नहीं है। कुछ अन्य राज्यों में तो यह चल सकता है लेकिन दिल्ली में उन्हें ठोस नतीजे देने होंगे। आप ने कई सेवाएं या तो मुफ्त कर दी थीं अथवा रियायती दर पर। इन्हें जारी रखना भाजपा की नयी सरकार के लिये चुनौती होगी। यमुना नदी की सफाई भी बड़ा मुद्दा है जहां नयी सरकार को कुछ कर दिखाना होगा। कांग्रेस नहीं है पर उसकी सरकार के दौरान शीला दीक्षित के किये काम आज भी बेंचमार्क हैं। उनसे बड़ी रेखा खींचनी होगी रेखा गुप्ता को।

मोदी का एक ही सपना, मुस्लिम बहुल राज्य में अपनी

के रवींद्रन

नये मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति के इर्द–गिर्द विवादास्पद परिस्थितियों ने कांग्रेस पार्टी और चुनाव आयोग के बीच अविश्वास की भावना को जन्म दिया है। इससे मुश्किल और तनावपूर्ण संबंधों वाली परिस्थिति बन गयी है। तनाव पहले से भी था जो तब और बढ़ गया जब राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से अपनी असहमति व्यक्त की, जिससे इस अविश्वास को संस्थागत रूप मिला। हालांकि उन्होंने नियुक्त व्यक्ति पर सीधे व्यक्तिगत हमले करने से परहेज किया, लेकिन चयन प्रक्रिया के बारे में उनकी चिंताओं ने एक अपरिहार्य दरार पैदा कर दी है। एक प्रमुख राजनीतिक दल और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार एक संस्था के बीच ऐसा सम्बंध लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और जनता के विश्वास को कमजोर करने का खतरा पेश करता है। राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच अविश्वास कोई नयी बात नहीं है, लेकिन मौजूदा परिदृश्य विशेष रूप से अनिश्चित स्थिति प्रस्तुत करता है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में हेरफेर की संभावना के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को देखते हुए, सीईसी की नियुक्ति में पक्षपात की कोई भी धारणा केवल संदेह को और बढ़ाती है। विपक्ष का यह तर्क कि ईवीएम का दुरुपयोग किया जा सकता है, पहले से ही एक गहरी ध्रुवीकृत बहस को जन्म दे चुका है, जिसमें चुनावी प्रक्रिया पर आरोप–प्रत्यारोप का असर हो रहा है। नये सीईसी, जिनकी नियुक्ति पर ही सवाल उठाये गये हैं, अब खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जहां उन्हें न केवल निष्पक्षता सुनिश्चित करनी है, बल्कि अपनी निष्पक्षता के बारे में संदेह करने वालों को भी आश्वस्त करना है। यह एक ऐसा बोझ है, जिसे टाला जा सकता था, अगर चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होती या इस तरह से संचालित की जाती कि राजनीतिक पैंतरेबाजी के आरोपों की कोई गुंजाइश न होती। विवाद से उत्पन्न होने वाली प्राथमिक चिंताओं में से एक यह है कि चयन समिति के विचार–विमर्श को सार्वजनिक करने का तरीका क्या है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के विपरीत, जो अपनी आंतरिक चर्चाओं के बारे में सख्त गोपनीयता बनाये रखता है, सीईसी की नियुक्ति की प्रक्रिया इस तरह से की गयी कि असहमति को सार्वजनिक होने दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से निर्णय दिया है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया की अखंडता को बनाये रखने के लिए कॉलेजियम के विचार–विमर्श को गोपनीय रखा जाना चाहिए। यह सिद्धांत सुनिश्चित करता है कि मतभेद सार्वजनिक विवादों में न बदल जाएं जो अंतिम निर्णय की वैधता को कमजोर कर सकते हैं। यदि इस मामले में भी यही विवेक लागू किया गया होता, तो खंडित निर्णय लेने की प्रक्रिया की सार्वजनिक धारणा से बचा जा सकता था, और चुनाव आयोग को नियुक्ति के बाद होने वाली विश्वसनीयता के तत्काल नुकसान से बचाया जा सकता था। ऐसी नियुक्तियों में गोपनीयता का तर्क संस्थाओं की पवित्रता बनाये रखने की आवश्यकता में निहित है। एक बार जब चयन प्रक्रिया सार्वजनिक विवाद से दूषित हो जाती है, तो नियुक्त व्यक्ति को अपनी वास्तविक योग्यता या ईमानदारी की परवाह किए बिना संदेह के बादल के नीचे रहकर ही काम करना पड़ता है। एक संस्था के रूप में चुनाव आयोग जनता के विश्वास पर बहुत अधिक निर्भर करता है। यदि चुनाव प्रक्रिया में प्रमुख हितधारकों में से एक – विपक्ष– चुनावों की देखरेख के लिए नियुक्त व्यक्ति में स्पष्ट अविश्वास व्यक्त करता है, तो यह नियुक्त व्यक्ति के लिए अपनी तटस्थता साबित करने के लिए लगभग दुर्गम चुनौती पैदा करता है। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सार्वजनिक जांच जरूरी है, लेकिन पारदर्शिता और प्रक्रिया को राजनीतिक विवाद में फंसने देने में अंतर है। विवाद तो केवल संस्थागत अधिकार को कम करता है और आगे के संघर्ष को बढ़ावा देता है। मौजूदा संकट देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं को प्रभावित करने वाली एक गहरी अस्वस्थता का भी संकेत है। अगर विपक्षी दलों को लगता है कि किसी प्रमुख अधिकारी को चुनने की प्रक्रिया से समझौता किया गया है, तो वे चुनाव आयोग के प्रति और अधिक प्रतिकूल दृष्टिकोण अपनाने की संभावना रखते हैं, न केवल इस मामले में बल्कि उसके बाद आने वाले हर फैसले में। इससे संस्थागत अधिकार का क्षरण होता है, जहां चुनाव आयोग के हर फैसले, निर्देश या स्पष्टीकरण को पक्षपात के चश्मे से देखा जाता है। लोकतंत्र सबसे अच्छा तब काम करता है जब संस्थाएं निर्विवाद वैधता का एक उच्च स्तर बनाये रखती हैं। अगर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को बार–बार चुनौती दी जाती है, तो चुनावी लोकतंत्र की नींव ही खतरे में पड़ जाती है। यह भी एक अतिरिक्त जटिलता है कि यह घटनाक्रम भविष्य के चुनावों को कैसे प्रभावित करेगा। विपक्ष को पहले से ही चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का संदेह है, इसलिए वह चुनाव आयोग के खिलाफ अपनी बयानबाजी को और तेज कर देगा, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है कि चुनाव के नतीजों पर ही सवाल उठ सकते हैं। यह एक खतरनाक मिसाल है, क्योंकि यह न केवल चुनाव आयोग की भूमिका को अमान्य करता है, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे को भी कमजोर करता है। अगर राजनीतिक दल चुनाव अधिकारियों के चयन में कथित पूर्वाग्रहों के आधार पर चुनाव के नतीजों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं।

, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया ही अस्थिर हो जाती है। यह महत्वपूर्ण है कि लोकतंत्र में,प्रक्रियाएं न केवल निष्पक्ष होनी चाहिए बल्कि निष्पक्ष भी दिखनी चाहिए। सीईसी की नियुक्ति पर विवाद को कम किया जा सकता था यदि व्यापक परामर्श होता, अधिक समावेशी चयन प्रक्रिया होती, या कम से कम, चयन समिति के भीतर असहमति को अधिक चतुराई से संभाला जाता। यह धारणा कि प्रक्रिया राजनीति से प्रेरित थी, ने वर्तमान अविश्वास को जन्म दिया है, और एक बार जनता का विश्वास डगमगा गया, तो इसे बहाल करना बहुत मुश्किल हो जाता है। भविष्य में ऐसे विवादों का एक संभावित समाधान प्रमुख संवैधानिक पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए अधिक मजबूत और व्यापक रूप से स्वीकृत तंत्र की स्थापना है। जबकि चयन प्रक्रिया में विपक्ष को शामिल करने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय अधिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए था, लेकिन विडंबना यह है कि इससे अधिक सार्वजनिक कलह पैदा हुई है। यदि ऐसी नियुक्तियां सार्वजनिक असहमति से प्रभावित होती रहती हैं, तो विवादों को केंद्र में आने देने के बजाय प्रक्रिया को ही परिष्कृत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। शायद अधिक आम सहमति से संचालित दृष्टिकोण, जहां तटस्थ संवैधानिक विशेषज्ञों सहित कई हितधारक चयन में भूमिका निभाते हैं, अधिक व्यापक रूप से स्वीकृत परिणाम सुनिश्चित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, चुनाव आयोग को जनता का विश्वास बहाल करने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए। इसमें चुनावी ईमानदारी के बारे में चिंता जताये जाने पर स्पष्ट और निर्णायक हस्तक्षेप करना शामिल है। विवाद की मौजूदगी मात्र से आयोग को ठोस कार्रवाई के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता का दावा करने से नहीं रोकना चाहिए। शब्दों के बजाय कार्रवाई के माध्यम से निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना संदेहियों को आश्वस्त करने में महत्वपूर्ण होगा। इसमें चुनावों के लिए मजबूत निगरानी तंत्र, इसके आंतरिक कामकाज में अधिक पारदर्शिता और चुनावी कदाचार के आरोपों पर अधिक सख्त प्रतिक्रिया शामिल हो सकती है। राजनीतिक दलों, विशेष रूप से विपक्ष, के लिए यह भी अनिवार्य है कि वे अपनी प्रतिक्रिया को इस तरह से मापें कि संस्थाओं को जनता के विश्वास को पूरी तरह खत्म किये बिना जवाबदेह बनाया जा सके। जबकि चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक विमर्श की सीमा के भीतर है।

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक

डॉ. शुभंकर मिश्र

अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को व्यक्त करने में हमारी मातृभाषा सबसे प्रभावी माध्यम है, क्योंकि यह भावनात्मक रूप से हमें एक सूत्र में जोड़ती है और सगेपन का अहसास कराती है। विभिन्न शोधों के निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि जो लोग अपनी मातृभाषा में दक्ष हैं, वे आमतौर पर शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। यह उनकी कुशलता के लाभों को दर्शाता है। यही मूल कारण है कि शिक्षाविद प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा को शिक्षण का माध्यम बनाने को प्राथमिकता देते हैं ताकि छात्र अपने अकादमिक जीवन में बेहतर कुशलता और सफलता अर्जित कर सकें। इसमें अब कोई दो राय नहीं कि हमारी और आपकी मातृ भाषाएं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और समाज को सशक्त बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। वैश्विक भाषा परिदृश्य की यदि बात करें तो पूरे विश्व में लगभग 8,324 भाषाएं बोली जाती हैं। गौरतलब है कि इनमें से कई वैश्वीकरण और सामाजिक परिवर्तनों के कारण विलुप्त होने के कगार पर हैं। यह बेहद चिंता की बात है कि हर दो सप्ताह में एक भाषा लुप्त हो जाती है, जिससे हमारी अनूठी संस्कृतियां और परंपराएं खतरे में पड़ जाती हैं। अमेरिकी भाषाविद केनेथ एल. हेल ने एक बार कहा था, श्जब आप एक भाषा खो देते हैं, तो दरअसल आप एक संस्कृति, बौद्धिक संपदा और अपनी एक कला को खो देते हैं।श यह अच्छी बात है कि भाषाई विविधता में तेजी से आ रही गिरावट को अब खुलकर स्वीकार किया जाने लगा है और प्रमुख और अल्पसंख्यक भाषाओं के बीच की चिंताओं पर अब चर्चा की जाने लगी हैं। परिणामस्वरूप, हाल के वर्षों में संकटग्रस्त भाषाएं, शैक्षणिक अनुसंधान और सामुदायिक पहलों का केंद्र बन गई हैं, जिनका उद्देश्य उनको संरक्षित और पुनर्जीवित करना है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस बहुभाषावाद की सुरक्षा के महत्व को पुनरू स्थापित करता है। यह भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए हर साल 21 फरवरी को मनाया जाता है। यूनेस्को ने इस दिन की घोषणा 17 नवंबर 1999 को की थी, और इसे पहली बार 21 फरवरी 2000 को मनाया गया। सन् 2002 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर आधिकारिक रूप से इस दिन को मान्यता प्रदान किया। यह अवसर विश्व स्तर पर बोली जाने वाली विविध भाषाओं का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करता है। बीते वर्षों में, अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के माध्यम से मातृभाषा और बहुभाषी शिक्षा के विभिन्न सरोकारों पर किया गया, जिनमें समाज और शिक्षा में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को बढ़ावा देनाश (2021), बहुभाषी शिक्षा के लिए तकनीक का उपयोगरू चुनौतियां और अवसर (2022),शिक्षा परिवर्तन के लिए बहुभाषी शिक्षा एक आवश्यकताश (2023), बहुभाषी शिक्षा सीखने और पीढ़ीगत आदान–प्रदान का एक स्तंभ (2024) उल्लेखनीय हैं। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की 25वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, जो भाषा संरक्षण के महत्व के प्रति हमारे सरोकारों को उजागर करती हैं, ताकि सांस्कृतिक विरासत व भाषिक विविधताओं को सुरक्षित रखा जा सके और एक समावेशी समाज का निर्माण संभव हो सके। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य का समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना है। यह लक्ष्य विशेष रूप से शिक्षा तक पहुंच और गुणवत्ता में असमानताओं को कम करने की आवश्यकता पर विशेष बल देता है। इसके अलावा, इस क्रम में एसडीजी 4. 6 का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी युवा और वयस्क, पुरुष और महिलाएंकृसाक्षरता और अंक ज्ञान का बुनियादी कौशल आसानी से हासिल कर सकें। बहुभाषावाद हमारे जीवन के कई पहलुओं को प्रभावित करता है। यह केवल संचार और शिक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र के द्वारा निर्धारित अन्य सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से भी जुड़ा हुआ है। एसडीजी 5, सभी महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। एसडीजी 10 असमानताओं को दूर करने पर केंद्रित है। एसडीजी 16 शांति, न्याय और मजबूत संस्थानों को बढ़ावा देता है। विकास के ये लक्ष्य परोक्ष–अपरोक्ष रूप से मातृभाषा और बहुभाषा के छोटे–बड़े प्रश्नों से जुड़े हुए हैं। श्बहुभाषावादश के व्यापक प्रभावों को समझने में गाहे–बगाहे हमें इनकी मदद लेनी ही पड़ती है। इस महत्वपूर्ण दिन का उत्सव हमें बहुभाषावाद और विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों के बीच परस्पर के संबंधों की खोज और आपसी समझ विकसित करने का एक बेहतर अवसर प्रदान करता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए मातृभाषा का उपयोग बेहद महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से, कई देश अभी भी एकभाषी शिक्षा–प्रणाली को अपना रहे हैं।

, जिनसे छात्रों का साक्षरता कौशल अनपेक्षित रूप से प्रभावित होता है। यूनेस्को द्वारा प्रकाशित वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट के तहत प्रकाशित नीति–पत्र, जिसका शीर्षक है–अगर आप समझ नहीं पाएँगे, तो सीखेंगे कैसे? में इस बात पर इस बात की गंभीर चर्चा है कि दुनिया भर में 40 प्रतिशत लोग अपनी मातृभाषा में शिक्षा से वंचित हैं, जिससे एक असमान शैक्षिक वातावरण का निर्माण हो रहा है। विदित ही है कि भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। इसकी विशाल भौगोलिक सीमा में यही कोई 120 से अधिक भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं। सन् 2011 की भारतीय जनगणना के अनुसार, हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जिसके लगभग 52.83 करोड़ वक्ता हैं, जो देश की कुल जनसंख्या का 43.63 प्रतिशत हैं। हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जो इसकी व्यापक लोकप्रियता को दर्शाती है। संस्कृत से गहरे रूप से जुड़ी और उर्दू के काफी करीब हमारी हिंदी वर्षों से जन–भाषा के रूप में भारत और अन्य देशों की विभिन्न संस्कृतियों को एकजुट करने का कार्य कर रही है। आज के वैश्विक युग में एक से अधिक भाषाओं में दक्षता हासिल करना एक कौशल है, जिसकी कि हम सबको विशेष जरूरत है। यह एक तरह की विशेष योग्यता है जिनका इस युग में बहुत अधिक महत्व है। हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा में संवाद करने और बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने का पूरा अधिकार है। दक्षिण अफ्रीका के प्रथम राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, यदि आप किसी व्यक्ति से ऐसी भाषा में बात करते हैं, जिसे वह समझता है, तो वह उसके केवल दिमाग तक जाती है, लेकिन यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल की गहराइयों तक पहुंचती है। उनकी यह उक्ति इस बात पर बल देता है कि किसी व्यक्ति से उसकी मातृभाषा में संवाद करने से वह उससे अधिक प्रभावी रूप से जुड़ सकेगा। हमारी सांस्कृतिक और भाषाई विविधता एक बहुमूल्य धरोहर है, जिसे हमें संरक्षित करना चाहिए।

दीपशिखा नागपाल

मेरी दो टूटी शादियों ने मुझे मजबूत बनाया, बच्चा पैदा होने के बाद तीसरे दिन शूटिंग की

टीवी की जानी–मानी एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल ने बड़े पर्दे पर भी काम किया है। उन्होंने फिल्मों से भी अपनी पहचान बनाई है। दीपशिखा की पर्सनल लाइफ बहुत सारी हलचलों से भरी रही है। उन्होंने जीवन में बहुत बुरे दिन देखे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इन सबके बारे में बात की है। दीपशिखा नागपाल की सिंगल पैरेंट के रूप में चुनौतीपूर्ण यात्रा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दमदार भूमिका की तलाश में हैं दीपशिखा डिवोर्स ने दीपशिखा को मानसिक रूप से मजबूत बनाया दीपशिखा नागपाल छोटे–बड़े पर्दे का जाना–माना नाम रही हैं। कोयला और बादशाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी दीपशिखा सोनपरी, सुराग और कश्मकश जिंदगी जैसे धारवाहिकों में भी नजर आईं। पिछले तीन दशकों से अभिनय के क्षेत्र एक्टिव रहीं दीपशिखा असल जिंदगी में दो शादियों के टूटने के बाद सिंगल पैरेंट के रूप में मजबूत रही हैं। इन दिनों सीरियल इश्क जबरिया से चर्चा में आईं दीपशिखा कई मुद्दों पर दिल खोल कर बातें करती हैं।छोटे पर्दे पर कई भूमिकाओं में नजर आने वाली दीपशिखा ओटीटी पर दमदार भूमिकाएं निभाने को उत्सुक हैं। वे कहती हैं, श्मुझे इंतजार है ओटीटी पर एक सशक्त भूमिका का। मैंने पूरा एक साल इसी वजह से टीवी से ब्रेक भी लिया कि मुझे ओटीटी पर कोई अच्छा ऑफर मिले, मगर ऐसा कोई प्रस्ताव मेरे पास नहीं आया, तो मुझे टीवी का रुख करना पड़ा। आखिरकार मैं सिंगल पैरेंट हूं और मुझे घर भी चलाना होता है।श सिंगल पैरेंट के रूप में बच्चों को बड़ा करना बहुत मुश्किल था एक अर्से से दीपशिखा सिंगल पैरेंट के रूप में अपने दो बच्चों का पालन –पोषण करती रही हैं। वे कहती हैं, शसिंगल पैरेंट के रूप में सबसे ज्यादा चुनौती होती है इमोशनल सपोर्ट की। खैर आर्थिक सपोर्ट भी मायने तो रखता है है। डिलीवरी के तीसरे दिन मैं अपने बच्चे और नैनी को लेकर शूटिंग पर पहुंच गई थी, क्योंकि मेरे लिए पैसे कमाना भी जरूरी था। मगर मैं समझती हूं कि शादी में भी तो जो मांएं होती हैं, वो एक तरह से सिंगल पैरेंट ही होती हैं, क्योंकि एक पिता का काम तो कमाना होता है, मगर मां अगर कमा भी रही होती है, तो बच्चे तो उसी को संभालने पड़ते हैं। मेरे पैरेंट्स भी गुजर गए थे, तो मेरे पास सपोर्ट सिस्टम नहीं था। जब अपने पहले पति (जीत उपेंद्र) से अलग हुई, तब मेरा बेटा महज 8 महीने का था। आज मेरे बेटा और बेटी विवान और वेदिका दोनों जवान हो गए हैं। फिर भी कई बार मुझे ऐसा लगता है कि मैं कहीं गलत तो नहीं हो गई। अपने बच्चों से मैं पूछती हूं कि कहीं मैंने तुम लोगों का बचपन चीन तो नहीं लिया?, तो बच्चे कहते हैं, श्मम्मा यू आर द बेस्टश आज जब मैं पलट कर देखती हूं, तो लगता है कि मुझे अपने बच्चों को और ज्यादा समय देना चाहिए था, जो अपने काम के कारण मैं दे नहीं पाई। हो सकता है, तब हमारी जिंदगी कुछ और होती, मगर मैं समझती हूं कि यही तो जिंदगी है। बस आपको हार नहीं मानना है।श डिवोर्स के बाद अपनी मेंटल हेल्थ का खूब खयाल रखा एक नहीं बल्कि दो शादियों के टूटने का दर्द झेल चुकी हैं दीपशिखा। उनकी पहली शादी जीत उपेंद्र से हुई थी और दूसरी शादी केशव अरोड़ा से, मगर दोनों ही शादी नहीं चल पाई, तो क्या वे रिश्तों और शादी को लेकर बिटर हुईं? इस सवाल पर वे कहती हैं, श्मेरे दोनों डिवोर्स ने मुझे बहुत ज्यादा मजबूत बनाया। मैं मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत मजबूत हुई। मैं खुद की बहुत इज्जत करती हूं कि मैंने अपनी रिस्पेक्ट करके अपना स्टैंड लिया, जो बहुत कम औरतें कर पाती हैं। मैंने लोगों की कभी नहीं सुनी, क्योंकि लोग मेरा घर चलाने नहीं आते। बहुत संभावना थी कि रिश्तों पर से मेरा विश्वास उठ जाता, मगर मैंने इस बात का पूरा ख्याल रखा कि ऐसा न हो। मैंने अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल रखा। काउंसलिंग सेशन लिए। दो लोगों ने मेरे साथ गलत किया, तो इसका मतलब ये नहीं कि सभी गलत होंगे। मैं खुशी के मामले में आत्मनिर्भर हो गई हूं। जो भी मेरी जिंदगी में आएगा, वो मेरी खुशियों में एड ऑन करेगा। यही गलती हम औरतें करती हैं कि हम बेचारी हैं और हमें कोई चाहिए। हम बेचारी नहीं हैं। खालीपन महसूस करने पर मैंने खुद के काम पर फोकस किया, अपने बच्चों और फिटनेस पर ध्यान दिया। आप उनके लिए जियो, जो आपको प्यार करते हैं। खुद के लिए जियो। मैं यही कहूंगी कि खुद को ठीक रखने के लिए मैंने हर तरह की हेल्प ली और आज मैं हील हो चुकी हूं, स्ट्रॉन्ग हूं।श मदरहुड को इंजॉय कर रही हूं आज दीपशिखा अपने मदरहुड को काफी इंजॉय कर रही हैं। वे कहती हैं, श्आज मेरी बेटी वेदिका 23 साल की है और बेटा विवान 17 साल का. बेटा बाहर पढ़ा रहा है। मगर आज बच्चों से मेरी दोस्ती है। हम लोग साथ में ट्रैवल करते हैं। मां–बेटी की बहस भी होती है, जो टीनेजर बच्चों के साथ माता–पिता की होती है। आज कल के जैन जी बच्चे तो हद हैं। पहले मुझे लगता था कि बच्चे बड़े हो जाएंगे, तो आसानी रहेगी, मगर वो गेम होता है न, जिसका लेवल बढ़ता जाता है, तो मदरहुड भी वही है। बच्चों को हैंडल करने का लेवल बढ़ता जाता है। पहले बच्चे जब बहस करते थे, तो बहुत बुरा लगता था, क्योंकि हमारी जनरेशन में माता–पिता डांटते या मारते थे, तो वो भी प्यार लगता था, मगर आज की जनरेशन को आप ज्यादा बोल नहीं सकते। लगता है, कहां फंस गए हम। छोटे थे, तो मां–बाप की सुनी, फिर शादी के बाद पति की और अब बच्चों की सुननी पड़ती है।मगर हम भी ग्रो हो गए हैं। ऐसा नहीं है कि बच्चे आपकी इज्जत नहीं करते, मगर बस आज वे ज्यादा मुखर हैं।श औरत औरत की दुश्मन होती है दीपशिखा नागपाल छोटे–बड़े परदे की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने एक महिला के रूप में हमेशा बोल्ड फैसले लिए हैं। आज के दौर में महिला मुद्दों पर वे कहती हैं, श्आज जमाना और समाज इतना आगे बढ़ चुका है, इसके बावजूद हम औरत के हक की बात करते हैं। क्या आपको नहीं लगता कि अब तक तो महिलाओं को उनके अधिकार मिल जाने चाहिए थे। हम लोग शहरों में रहते हैं, तो हमें आस–पास के लोगों से उतना फर्क नहीं पड़ता, मगर मैंने देखा है कि छोटे शहरों में आज भी तलाक लड़की के लिए किसी बदनुमा दाग से कम नहीं होता। आज भी लड़कियों को ईक्वल नहीं आंका जाता। देखिए, मैं पुरुषों के खिलाफ नहीं हूं। हम महिलाओं को मर्दों का सपोर्ट तो चाहिए ही होगा। लेकिन कई बार मुझे लगता है कि औरत ही औरत की दुश्मन होती है। हम महिलाओं को अपना आत्मविश्लेषण भी करना होगा। एक–दूसरे का साथ देना होगा।श लोग लुक को ट्रेंड के रूप में फॉलो करते हैं शो में अपनी एंट्री के बारे में वे कहती हैं, श्इश्क जबरिया में देवी सहाय के रूप में मेरी जो नई एंट्री हुई है, उसे लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। जब मैंने इस किरदार के बारे में पढ़ा, मैं तुरंत ही उसकी ओर आकर्षित हो गई। देवी एक बेहद सफल व्यवसायी है, अमीर और शक्तिशाली, लेकिन जो चीज उसे वास्तव में आकर्षक बनाती है, वह है उसका बहुआयामी व्यक्तित्व। वह जमीन से जुड़ी हुई हैं, पारंपरिक भोजन पकाने का शौक रखती है। उसे इंग्लिश बोलने का शौक है। हालांकि वह गलत इंग्लिश बोलती है। कुल मिलकार यह किरदार बड़ा मजेदार है। मुझे इसे निभाने में बहुत मजा आ रहा है। मेरे लुक पर भी काफी काम किया गया है। असल में टीवी शो में किरदारों का लूका काफी मायने रखता है। लुक किरदार को न केवल सपोर्ट करता है बल्कि लोग उसे ट्रेंड के रूप में फॉलो भी करने लगते हैं।श

येलो लहंगे में जैकलीन फर्नांडिस को देख क्रेजी हुए फैंस, बोले - सिजलिंग ब्यूटी

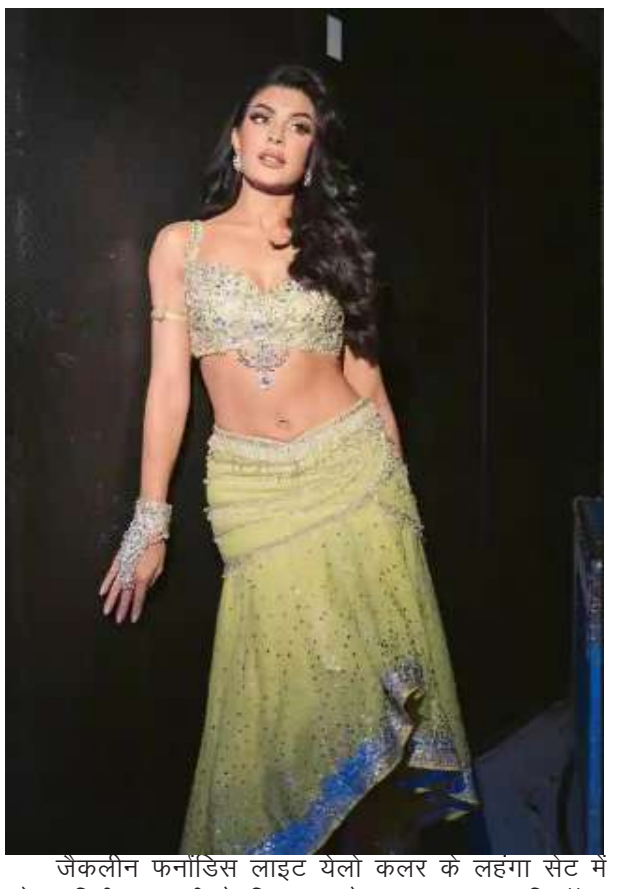

जैकलीन फर्नांडिस लाइट येलो कलर के लहंगा सेट में बेहद प्रिटी लग रहीं हैं, जिन पर फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा...

मोनालिसा के लेटेस्ट लुक को देख फैंस ने पूछा – इस ड्रेस को क्या बोलते हैं

मोनालिसा पिंक कलर के ऑफ शोल्डर सूट में काफी डिफरेंट लुक में नजर आ रही है, आइए आपको दिखाते हैं ये...

हिना खान के रेड हॉट अवतार पर लट्टू हुए फैंस, बोले – किलर फिगर है

हिना खान रेड कलर शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद किलर अंदाज में फोटोज क्लिक करवाती दिखाई दे...

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं. एक्ट्रेस पहले अपनी दो शादियों को लेकर काफी लाइमलाइट बटोर चुकी हैं. वहीं अब राखी तीसरी शादी के लिए तैयार हैं. हाल ही में उन्होंने डोडी खान से निकाह करने के लिए पाकिस्तान जाने की बात कही थी लेकिन फिर डोडी ने राखी से शादी करने से इंकार कर दिया था. इसके बाद ड्रामा क्वीन को 58 साल के मुफ्ती अब्दुल कवी ने शादी करने का प्रस्ताव भेजा. जिसके बाद राखी ने एक इंटरव्यू के दौरान मुफ्ती से सीधे बात की और शर्त रखी अगर मुफ्ती उनका 6–7 करोड़ रुपए का कर्ज चुका देंगे तो वह निकाह के लिए तैयार हैं. राखी की इस शर्त को मुफ्ती ने मान लिया था. वहीं अब राखी की एक और वीडियो वायरल हो रही है जिसमें वे दुल्हन की तरह सजती–धजती नजर आ रही हैं और पाकिस्तानी लड़कों को निकाह के लिए तैयार रहने के लिए कहती नजर आ रही हैं. राखी सावंत निकाह के लिए पहुंची पाकिस्तान? वायरल हो रही वीडियो में राखी लाल रंग के दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं और दो महिलाएं उन्हें तैयार करती हुई दिख रही हैं. वीडियो में राखी कहती हैं, " दोस्तों मैं पाकिस्तान पहुंच चुकी हूं. ये देखिए मेरी बहनें मुझे तैयार कर रही हैं. चूड़ा पहना रही हैं. फाइनली मैं स्वयंवर के लिए रेडी हूं. पाकिस्तान के लड़कों क्या आप निकाह के लिए रेडी हैं. इसके बाद राखी कैमरामैन को अपने पास बुलाती हैं और कहती हैं मेरी चूड़ियां दिखाना, मेरा मेकअप दिखाना. फिर राखी पूछती हैं मैं कैसी लग रही हूं. इसके बाद राखी अपनी चूड़ियां खनखनाती हुई गाना गाती हैं मेरी चूड़ियां तुझे पागल ना बना दें तो कहना और फिर वे कहती हैं डोडी खान मैं आ रही हूं कवी साहब मैं आ रही हूं. एक अन्य वीडियो में राखी दुल्हन के लिसाब को पहने हुए कैमरे की ओर चलती हुई नजर आ रही हैं और कह रही हैं, ष्मुफ्ती कवी साहब मैं इस्लामाबाद में हूं, डोडी खान मैं लाहौर आ रही हूं, इस खूबसूरत जोरा और मेरे निकाह की तैयारी के लिए पाकिस्तान को थैंक्यू ष डोडी खान या मुफ्ती अब्दुल कवी में से किससे शादी करेंगी शादी?

वही राखी की इस वीडियो ने फैंस को कंफ्यूज कर दिया है. क्योंकी राखी ने डोडी खान और कवी दोनों का नाम लिया है. इसलिए फैंस कंफ्यूज हो गए हैं कि एक्ट्रेसस किससे शादी करने पाकिस्तान पहुंची हैं. हालांकि वायरल वीडियो के बाद कई लोगों का मानना घ्छै कि राखी की ये वीडियो पब्लिसिटी स्टंट हैं लेकिन उनके फैंस उनकी शादी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं.

अहमद खान, एक ऐसे शख्स जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। इनकी पहचान मूल रूप से डांस कोरियोग्राफर की थी, लेकिन आगे चलकर इन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में डायरेक्ट कीं। अहमद खान इस साल यानी 2025 में मल्टीस्टारर फिल्म वेलकम टु द जंगल से वापसी कर रहे हैं। फिल्म में सितारों की फेहरिस्त है। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और रवीना टंडन सहित कई स्टार्स नजर आएंगे। यह फिल्म वेलकम सीरीज की पिछली दोनों फिल्मों से बिल्कुल अलग होगी। अहमद खान इसी साल एक और फिल्म 'बाप' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म को उन्होंने जी स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है। इस फिल्म में संजय दत्त, सनी देओल, जैकी श्रॉफ और मिथुन चक्रवर्ती नजर आएंगे। अहमद खान ने दैनिक भास्कर से बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने प्रोफेशनल और पर्सनल मसलों पर खुलकर बोला। सवाल– लोग आपकी फिल्म वेलकम टु द जंगल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, पहले तो इसके बारे में बताइए? जवाब– यह मेरे करियर की सबसे बड़ी फिल्म है। मेरी छोड़िए, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी फिल्म कह सकते हैं। फिल्म में 34 एक्टर्स कास्ट किए गए हैं। प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने मुझसे कहा कि अहमद, तुम इस फिल्म में उन्हीं एक्टर्स को लेना, जिन्हें लोग नाम से जानते हों।

आज से बंद कर दें थोड़ी थोड़ी पिया करो का फॉर्मूला, शराब की एक- एक बूंद में है जहर!

शराब पीने का कोई सुरक्षित स्तर नहीं, यह हर तरह से हानिकारक है। यह जानने के बावजूद लोग इसे छोड़ने के लिए तैयार ही नहीं है। कुछ लोग मानते हैं कि कभी–कभी ही ड्रिंक करने को कोई नुकसान नहीं होता है पर यह सोच बिल्कुल गलत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मानें तो शराब की एक बूंद से भी शरीर में कैंसर हो सकता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया दावा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा 'लांसेटश पत्रिका में प्रकाशित एक बयान में यह जानकारी सामने आई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार शराब के सेवन की कोई सुरक्षित सीमा नहीं है और किसी भी मात्रा में इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक हो सकता है। साथ में यह भी दावा किया गया है कि जब कोई शख्स एल्कोहल लेता है, तो उसी वक्त कैंसर अपना मार्ग प्रशस्त कर लेता है फिर चाहे शराब थोड़ी मात्रा में ली गई हो या ज्यादा मात्रा में।

सात प्रकार के कैंसर का कारण बनती है शराब

कैंसर पर शोध करने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने एस्बेस्टस (रेशेदार खनिज), विकिरण और तंबाकू के साथ ही शराब को उच्च जोखिम वाले समूह–1 'कार्सिनोजेनश (कैंसर कारक) के रूप में वर्गीकृत किया है, जो दुनियाभर में कैंसर रोग का कारण बन रहे हैं। एजेंसी ने पहले पाया कि शराब का सेवन कम से कम सात प्रकार के कैंसर का कारण बनता है, जिसमें आंत का कैंसर और स्तन कैंसर सबसे आम हैं। शराब जैविक तंत्र के माध्यम से कैंसर का कारण बनता है क्योंकि यौगिक शरीर में टूट जाते हैं, जिसका अर्थ है कि अल्कोहल युक्त कोई भी पेय, चाहे इसकी मात्रा और गुणवत्ता कैसी भी हो, कैंसर का खतरा पैदा करता है।

कम मात्रा का सेवन भी हानिकारक

डब्ल्यूएचओ के बयान के मुताबिक, यूरोपीय क्षेत्र में वर्ष 2017 के दौरान कैंसर रोग के 23,000 नये मामले सामने आये थे, जिनमें से 50 फीसदी का कारण शराब की हल्के से मध्यम (प्रतिदिन शुद्ध अल्कोहल की 20 ग्राम से कम मात्रा) मात्रा का सेवन रहा था। बयान में कहा गया, ''वर्तमान में उपलब्ध साक्ष्य उस सीमा का संकेत नहीं दे सकते, जिस पर शराब के कैंसर कारक वाले प्रभाव शुरू होते हैं और शरीर में नजर आने लगते हैं।श्श

करोड़ों लोगों को शराब से हुआ कैंसर

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह साबित करने के लिए ऐसा कोई अध्ययन नहीं है जिससे पता चले कि शराब सेवन का असर हृदय रोगों और टाइप–टू मधुमेह की तुलना में कैंसर रोग के लिए ज्यादा जोखिम भरा होता है, लेकिन यह मानने के पर्याप्त सबूत हैं कि भारी मात्रा में शराब पीने से हृदय रोगों का खतरा निश्चित तौर पर बढ़ जाता है। शोध में यह भी पाया गया है कि यूरोपीय क्षेत्र में शराब की खपत सबसे अधिक है और 20 करोड़ से अधिक लोगों को शराब के कारण कैंसर होने का खतरा है।

सांस संबंधी समस्या और कई बीमारियों से दूर रखेंगे ये आसन, आज ही करें रुटीन में शामिल

नियमित रुप से वृक्षासन करने से आपके शरीर का संतुलन सुधरेगा। इससे आपके कूल्हों के बाहरी हिस्से भी ट्विस्ट करेंगे और आपकी रीढ़ की हड्डी मजबूत बनेगी। पैर और टखनों को मजबूत बनाने में भी यह आसन बहुत ही फायदेमंद होता है। यह आपके मानसिक स्वास्थ्य को भी सुधारता है। इससे आपकी मेडिटेशन और फोकस करने की क्षमता मजबूत होती है और मन भी शांत रहता है।

आलस्य, खराब लाइफस्टाइल और गलत खान–पान के कारण कई तरह की बीमारियां जन्म ले रही हैं। ऐसे में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योगाभ्यास बहुत ही आवश्यक है। नियमित योगाभ्यास करने से शरीर के सभी अंग स्वस्थ रहते हैं और शरीर कई रोगों से दूर रहता है। फेफड़ों को स्वस्थ रखने, हृदय संबंधी समस्याओं से दूर रहने, डायबिटिज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी समस्याएं दूर रहेगी। आज आपको कुछ ऐसे योगासन बताते हैं जो आपके शरीर को कई तरह की बीमारियों से दूर रखेंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

वृक्षासन

नियमित रुप से वृक्षासन करने से आपके शरीर का संतुलन सुधरेगा। इससे आपके कूल्हों के बाहरी हिस्से भी ट्विस्ट करेंगे और आपकी रीढ़ की हड्डी मजबूत बनेगी। पैर और टखनों को मजबूत बनाने में भी यह आसन बहुत ही फायदेमंद होता है। यह आपके मानसिक स्वास्थ्य को भी सुधारता है। इससे आपकी मेडिटेशन और फोकस करने की क्षमता मजबूत होती है और मन भी शांत रहता है।

पश्चिमोत्तानासन

यदि आप अनिद्रा जैसी समस्या से जुझ रहे हैं तो पश्चिमोत्तानासन अपनी रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इससे आपके शरीर में चुस्ती आती है और चिंता, तनाव जैसी समस्याएं भी दूर रहती हैं। इस आसन को करने से आपका मस्तिष्क शांत रहता है और आपको नींद भी जल्दी आती है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन आपके पैर से लेकर ऊपर तक के शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। इस आसन को नियमित करने से आपके पैर, पीठ और छाती का हिस्सा मजबूत होता है। इसके अलावा यह हैम्स्ट्रिंग, कॉल्फ और कंधों को भी स्ट्रेच करता है।

दंडासन

यदि आपको सांस संबंधी या फिर अस्थमा की समस्या है तो आप दंडासन को अपनी रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इस योगासन को नियमित करने से आपके सांस संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। इसके अलावा यह आसन फेफड़ों के कार्य को भी बेहतर बनाने में मदद करता है। मांसपेशियों और नसों में होने वाली समस्याओं से भी यह आसन राहत दिलवाता है।

गोमुखासन

गोमुखासन भी स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। यह टखनों, कूल्हों, जांघों को स्ट्रेच करने में मदद करता है। इसके अलावा पीठ के ऊपरी हिस्से, छाती और कंधे को भी मजबूत बनाने में मदद करता है।

कच्चे हो गए हैं नाखून तो इन ट्रिक के साथ बनाएं स्ट्रांग

त्वचा के साथ–साथ नाखूनों को भी खास देखभाल की जरुरत होती है। यदि नाखूनों पर बार–बार पानी पड़ता रहे तो यह कमजोर होने लगते हैं। नाखूनों की खूबसूरती बनाने के लिए लड़कियां कई तरीके अपनाती हैं खासकर इनकी सुंदरता बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल नेल्स भी लगते हैं। कई बार एक्स्ट्रा केयर करने के बाद भी नाखून नहीं बढ़ पाते। शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने के कारण नाखून कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इसके अलावा कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन की कमी के कारण भी यह कमजोर हो सकते हैं। यदि आपके नाखून भी कमजोर हो रहे हैं तो इन तरीकों से देखभाल करके आप नाखूनों की एक्सट्रा केयर कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

पिएं पर्याप्त मात्रा में पानी

यदि आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते तो आपके शरीर में पानी की कमी हो सकती है। पानी की कमी होने का प्रभाव नाखूनों पर भी पड़ता है। इससे आपके नाखून कमजोर होने लगते हैं और टूटने लगते हैं। यदि आप चाहते हैं कि नाखून मजबूत और हैल्दी रहें तो पर्याप्त मात्रा में पानी जरुर पिएं।

न लगाएं आर्टिफिशयल नाखून

लड़कियां नाखूनों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल नेल्स लगाती हैं लेकिन इसका प्रभाव आपके असली नाखूनों पर पड़ सकता है। इससे आपके नाखून कमजोर और अनहेल्दी हो जाते हैं जिसके कारण यह टूटने लगते हैं।

मॉइश्चराइज करते रहें

समय–समय पर आप नाखूनों को मॉइश्चराइज करते रहें। इसके लिए आप किसी भी तरह की नेल केयर क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं। लगातार हाथ धोने और साफ–सफाई करने से भी नाखून कमजोर होने लगते हैं। ऐसे में आप जितनी बार भी हाथ धोएं तो नाखूनों को मॉइश्चराइज जरुर करें।

छोटे रखें नाखून

लंबे नाखून बहुत ही जल्दी टूटने लगते हैं इसलिए आप नाखूनों को छोटा रखें। छोटे नाखूनों की देखभाल करना आसान होता है इससे आपके नाखूनों में गंदगी नहीं जमती और आपके स्वास्थ्य पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

नेल ग्रोथ के लिए लगाएं ये चीजें

नींबू का रस

यदि आप नाखूनों को बढ़ाना चाहते हैं तो विटामिन–सी युक्त पदार्थों का सेवन करें। नींबू काटकर दिन में कम से कम एक बार अपने हाथ और पैरों के नाखूनों पर रगड़ें। रगड़े के 5 मिनट बाद गर्म पानी से हाथ धो लें। नींबू नाखूनों पर लगाने से यह साफ और बैक्टीरिया फ्री रहेंगे और ग्रोथ भी अच्छे से होगी।

संतरे का रस आएगा काम

संतरा कोलेजन का उत्पादन करने में सहायता करता है। कोलेजन ऐसा महत्वपूर्ण एजेंट है जो नाखूनों का विकास करने में मदद करता है यह आपके नाखूनों को मजबूत बनाता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स नाखूनों को किसी भी तरह की इंफेक्शन से दूर रखते है।

कैसे लगाएं?

. एक कटोरी में संतरे का रस लें।

. फिर इसमें नाखूनों को 10 मिनट के लिए भिगोएं।

. 10 मिनट के बाद नाखूनों को गर्म पानी से धो लें।

. तय समय के बाद नाखूनों को मॉइश्चराइज करके मसाज करें।

नारियल तेल

नारियल तेल भी आप नाखूनों पर लगा सकते हैं। इस तेल के साथ नाखूनों की मसाज करने से ग्रोथ होगी। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन–ई पाया जाता है जो नाखूनों को बढ़ाने में मदद करते है। रात को सोने से पहले आप नाखूनों पर नारियल तेल की मालिश करें।

जैतून तेल

अगर आपके नाखून खराब हो रहे हैं तो जैतून का तेल लगा सकते हैं। यह आपके नाखूनों के अंदर तक जाकर उनकी ग्रोथ में मदद करता है। इसके अलावा यह रक्त संचार करने में भी मदद करता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

. नाखूनों पर इसका इस्तेमाल करने के लिए आप जैतून के तेल को गर्म करें।

. फिर धीरे–धीरे क्यूटिकल्स पर इनकी 5 मिनट के लिए मसाज करें।

. रात को सोने से पहले आप तेल की नाखूनों पर मसाज करें।

. सुबह तक तेल नाखूनों पर रहनें दें और फिर धो लें।

संक्षिप्त

छोटी, मझोली कंपनियों के शेयरों में गिरावट पर कोई बयान देने की जरूरत नहीं : माधबी बुच

मुंबई, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा कि पूंजी बाजार नियामक को हाल ही में छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में आई भारी गिरावट पर टिप्पणी करने की 'कोई जरूरत नहीं' है। बुच ने पिछले साल मार्च में उन्हीं शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन पर दिए गए अपने बयान का हवाला देते हुए कहा कि सेबी ने ऊंचे मूल्यांकन पर अपनी चिंता तब जाहिर की थी, जब उसे इसकी जरूरत महसूस हुई थी। यहां एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के एक कार्यक्रम में बुच ने कहा, "मिड कैप और स्मॉल कैप के बारे में, मुझे लगता है कि एक समय ऐसा आया जब नियामक को इस बारे में बयान देने की ज़रूरत महसूस हुई, बयान दिया गया। आज, नियामक को अतिरिक्त बयान देने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती।" हाल ही में छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई है, कुछ शेयरों में एक के बाद एक 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। मार्च, 2024 में नियामक की ओर से एक टिप्पणी में, बुच नेउच्च मूल्यांकन पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था, "बाजार में झाग के ढेर हैं। कुछ लोग इसे बुलबुला कहते हैं, कुछ इसे झाग कहते हैं... उस झाग को बनने देना शायद उचित नहीं है।" इस बीच, बुच ने यह भी कहा कि नियामक का म्यूचुअल फंड के लिए हाल ही में शुरू की गई 250 रुपये की व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) को अनिवार्य बनाने का कोई इरादा नहीं है। जब उनसे एक म्यूचुअल फंड वितरक द्वारा किसी विशेष योजना पर भारी प्रोत्साहन देने के बारे में पूछा गया तो बुच ने कहा कि नियामक ऐसी किसी योजना में हस्तक्षेप करने का इच्छुक नहीं है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि सुनिश्चित रिटर्न जैसे किसी भी पहलू पर कार्रवाई की जाएगी।

शाहरुख खान रियल्टी कंपनी एलन ग्रुप के ब्रांड एंबेसडर बने

रियल्टी फर्म एलन ग्रुप ने अभिनेता शाहरुख खान को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। राकेश कपूर, रवीश कपूर और आकाश कपूर के नेतृत्व वाले एलन ग्रुप के पास आवासीय, वाणिज्यिक और मिश्रित उपयोग विकास में 15 परियोजनाओं का पोर्टफोलियो है। एलन ग्रुप के निदेशक आकाश कपूर ने कहा, ''शाहरुख खान सिर्फ एक सुपरस्टार नहीं हैं – वे अद्भुत हैं। उनकी असाधारण उपस्थिति, प्रभाव और पूर्णता की निरंतर खोज एलन के दर्शन और एलन ब्रांड के साथ पूरी तरह मेल खाती है।'' शाहरुख खान ने कहा, ''मेरा हमेशा से मानना घ्घरहा है कि महानता उन लोगों द्वारा हासिल की जाती है जो सीमाओं को पार करने का साहस करते हैं। एलन ग्रुप उस निडर भावना का प्रतीक है, और मैं इस एसोसिएशन का हिस्सा बनकर खुश हूं।

'मुफ्त की सुविधाओं' पर आचार संहिता लाने के लिए पहल करें प्रधानमंत्री : सुब्बाराव

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आग्रह किया कि वे मुफ्त की सुविधाओं (फ्रीबीज के मामले में पहल करें और राज्यों के साथ मिलकर आचार संहिता बनाएं। सुब्बाराव ने हर राजनीतिक दल, राज्य सरकार और केंद्र पर 'प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद' में शामिल होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारों को मुफ्त सुविधाएं देने के लिए उधार लेना पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जारी नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि तीन साल पहले मोदी ने मुफ्त सुविधाओं या 'रेवड़ियों' के खिलाफ बात की थी, लेकिन भाषण के दो सप्ताह बाद ही उनकी भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) उत्तर प्रदेश में मुफ्त सुविधाएं देने वाली 'अग्रणी' पार्टी बन गई। सुब्बाराव ने यहां एनएसई के एक कार्यक्रम में कहा, "मुझे लगता है कि वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री को यह कहना चाहिए कि हम राज्य सरकारों के साथ बातचीत करने जा रहे हैं और हमें एक आचार संहिता की आवश्यकता है। जैसे कि हमने जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर), एफआरबीएम (राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम) पर केंद्र–राज्य सहयोग किया है, ताकि मुफ्त सुविधाओं पर आचार संहिता बनाई जा सके।" उन्होंने स्वीकार किया कि गरीबी के कारण 90 करोड़ लोग असुरक्षित हैं तथा अन्य 30 करोड़ लोग निर्वाह स्तर पर जीवन यापन कर रहे हैं। सरकारों पर सहायता प्रदान करने का 'दायित्व' है। हालांकि, उन्होंने तुरंत यह भी कहा कि इसकी 'सीमाएं' होनी चाहिए। सुब्बाराव ने कहा कि सरकार मुफ्त सुविधाओं के वित्तपोषण के लिए उधार लेती है, जो उपभोग पर व्यय के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने इस उधार और शिक्षा ऋण के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी के पेशेवर करियर शुरू करने के बाद उसकी भावी आय से शिक्षा ऋण का भुगतान किया जाएगा, जबकि सरकारों के मामले में, धन का उपयोग केवल उपभोग के लिए किया गया है, तथा किसी भी परिसंपत्ति का निर्माण नहीं किया गया है।

भारत का डर या कुछ और...? पीसीबी अध्यक्ष को चयनकर्ताओं पर भरोसा नहीं, दो बार कराई टीम की समीक्षा

जब चयनकर्ताओं ने दूसरी बार टीम नकवी के पास भेजी, तो उन्होंने इसे वापस भेज दिया और उनसे अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त होने के लिए कहा।

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से अंतिम मंजूरी देने से पहले चौंपियंस ट्रॉफी के लिए चुनी गई टीम की कम से कम दो बार समीक्षा करने को कहा था। पाकिस्तान को अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से 60 रन से हार का सामना करना पड़ा। उसका अगला मुकाबला रविवार को भारत के खिलाफ होगा, जो कि एक करो या मरो वाला मुकाबला होगा। पाकिस्तान की टीम हारी तो टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडराने लगेगा।

पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने किया दावा

पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से दावा किया, श्चयनकर्ताओं ने जब चौंपियन ट्रॉफी के लिए टीम को अंतिम रूप दिया और मंजूरी के लिए नकवी के पास भेजा तो उन्होंने इसे वापस भेज दिया और चयनकर्ताओं से कहा कि टीम की फिर से समीक्षा करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया गया है।श

नकवी ने तीसरी बार में जाकर हामी भरी

सूत्र के मुताबिक, जब चयनकर्ताओं ने दूसरी बार टीम नकवी के पास भेजी, तो उन्होंने इसे वापस भेज दिया और उनसे अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त होने के लिए कहा। सूत्र ने कहा, श्उन्होंने तीसरी बार ही 15 सदस्यीय टीम को मंजूरी दी, लेकिन चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन को स्पष्ट कर दिया कि वे इसके लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।

नकवी को अपने चयनकर्ताओं पर भरोसा नहीं?

राष्ट्रीय चयनसमिति में टीम के अंतरिम मुख्य कोच आकिब जावेद, असद शफीक, अजहर अली, अलीम डार और हसन

चीमा शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नकवी को अपने चयनकर्ताओं पर भरोसा नहीं दिखा। टीम को लेकर उनकी चिंता इस बात को दर्शाती है। बहरहाल पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पहले मैच में 60 रन से शिकस्त दी थी।

पाकिस्तान टीम की हो रही आलोचना

पाकिस्तान की टीम फिलहाल ग्रुप–ए की अंक तालिका में सबसे नीचे चौथे स्थान पर है। कामरान अकमल, मोहम्मद हफीज, वसीम अकरम, वकार यूनिस और बासित अली समेत कई दिग्गज पाकिस्तान टीम के खेलने के अंदाज पर सवाल उठा रहे हैं। कीवियों के खिलाफ 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 10 ओवर में महज 22 रन ही बना पाई थी। पाकिस्तान की टीम 260 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

'राहुल को पंत पर प्राथमिकता देने का फैसला सही', पाकिस्तान से महामुकाबले से पहले गांगुली का बयान

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि केएल राहुल को वनडे में शानदार रिकार्ड के कारण चौंपियंस ट्रॉफी में ऋषभ पंत पर प्राथमिकता दी गई है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आईसीसी के इस टूर्नामेंट के लिए राहुल को पहली पसंद का विकेटकीपर बल्लेबाज बनाया है जिसके कारण पंत को बाहर बैठना पड़ रहा है।

भारतीय टीम मजबूत

गांगुली ने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, भारत बहुत मजबूत टीम है विशेष कर बल्लेबाजी में। पंत बहुत अच्छा खिलाड़ी है लेकिन राहुल का वनडे में शानदार रिकॉर्ड है। इसलिए मुझे लगता है कि गौतम गंभीर राहुल का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इन दोनों में से किसी एक का चयन करना बेहद मुश्किल काम है क्योंकि दोनों ही बेजोड़ खिलाड़ी हैं।

कोहली लेग स्पिन की कमजोरी से उबर जाएंगे

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गांगुली ने विश्वास जताया कि विराट कोहली लेग स्पिन खेलने की कमजोरी से उबरने में सफल रहेंगे और उन्होंने भारत को चौंपियंस ट्रॉफी जीतने का प्रबल

दावेदार भी बताया। उन्होंने कहा, श्भारत के पास छठे नंबर तक ऐसे बल्लेबाज हैं जो शतक जड़ सकते हैं और मैच जीत सकते हैं। अगर अक्षर पटेल पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो इससे भारतीय बल्लेबाजी की गहराई का पता चलता है। भारत के पास प्रतिभा की कमी नहीं है क्योंकि हमारे पास इसके लिए उचित प्रणाली है।

गांगुली ने इसके साथ ही उम्मीद जताई कि विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जल्द ही वनडे क्रिकेट में डेब्यू करेंगे। उन्होंने कहा, अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में जिस तरह से बल्लेबाजी की वह बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए अविश्वसनीय थी। इसका कोई कारण नजर नहीं आता कि वह वनडे क्रिकेट नहीं खेल सकता है।अभिषेक शर्मा जैसा बल्लेबाज दुनिया की किसी भी टीम में जगह बना सकता है।

पाकिस्तान के खिलाफ जीतेगा भारत

गांगुली ने इसके साथ ही उम्मीद जताई कि भारत आईसीसी प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखेगा। इन दोनों टीम के बीच रविवार को दुबई में मैच खेला जाएगा। उन्होंने कहा, भारत सीमित ओवरों की बेहद मजबूत टीम है। पाकिस्तान के खिलाफ उसके रिकॉर्ड से पता चलता है कि भारत ने लंबे समय से उसे पर दबदबा बना रखा है। भारत न सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार है बल्कि वह टूर्नामेंट जीतने का भी प्रबल दावेदार है।

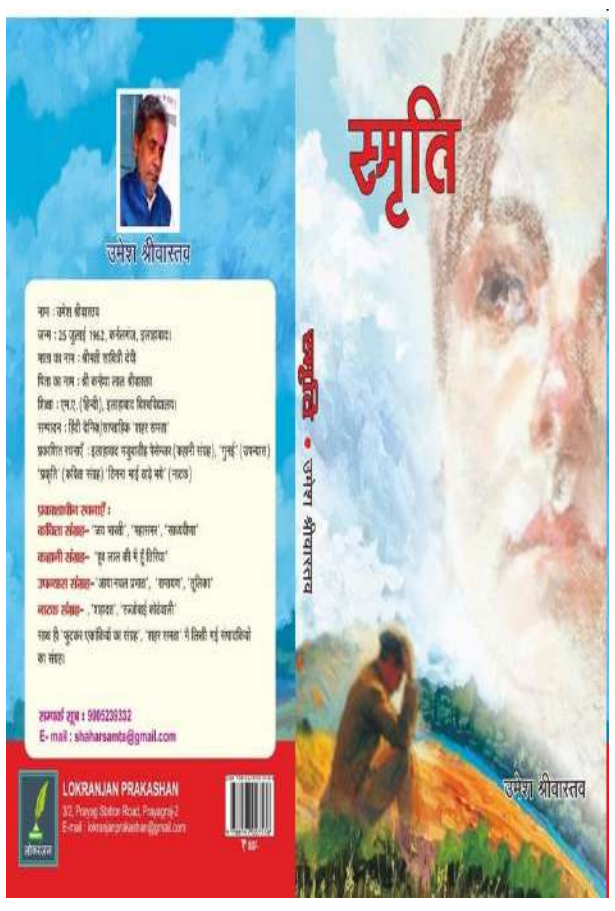

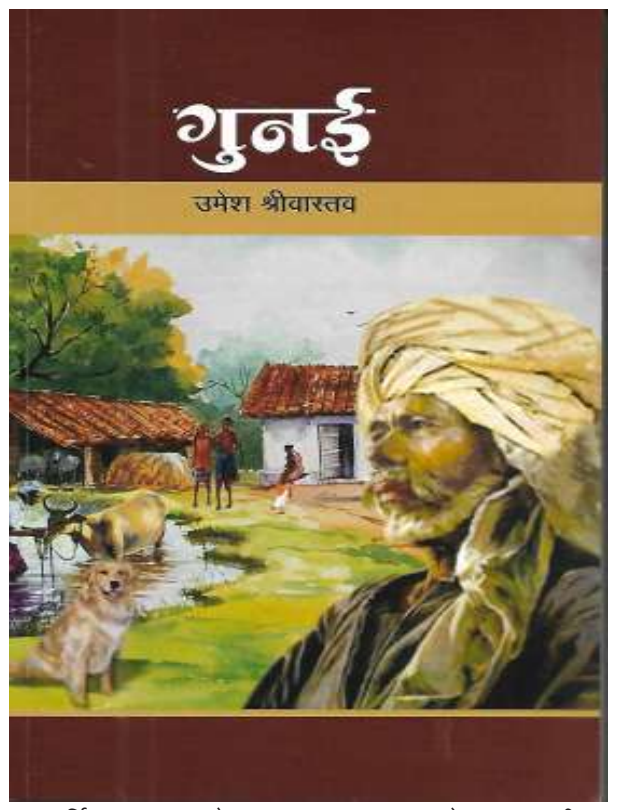

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

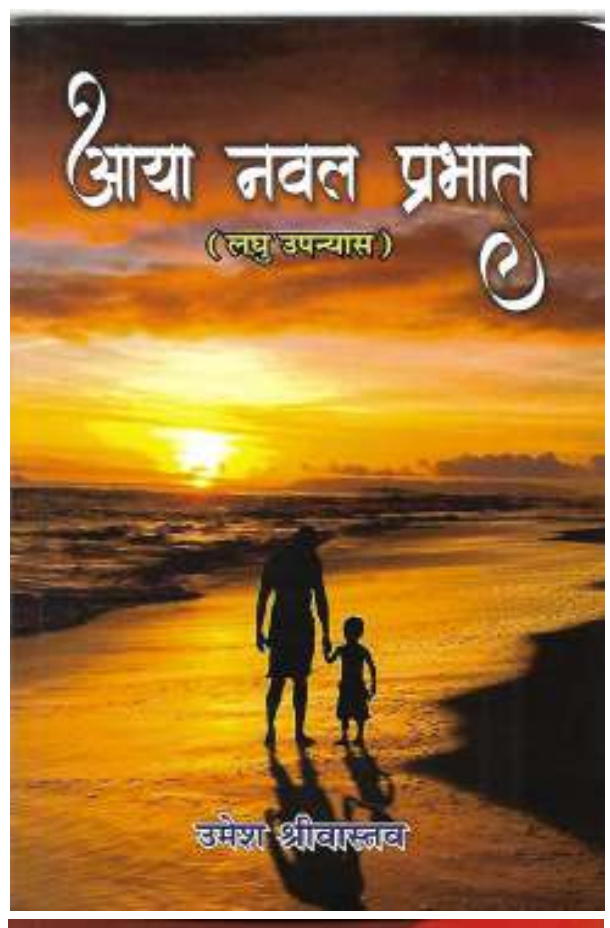

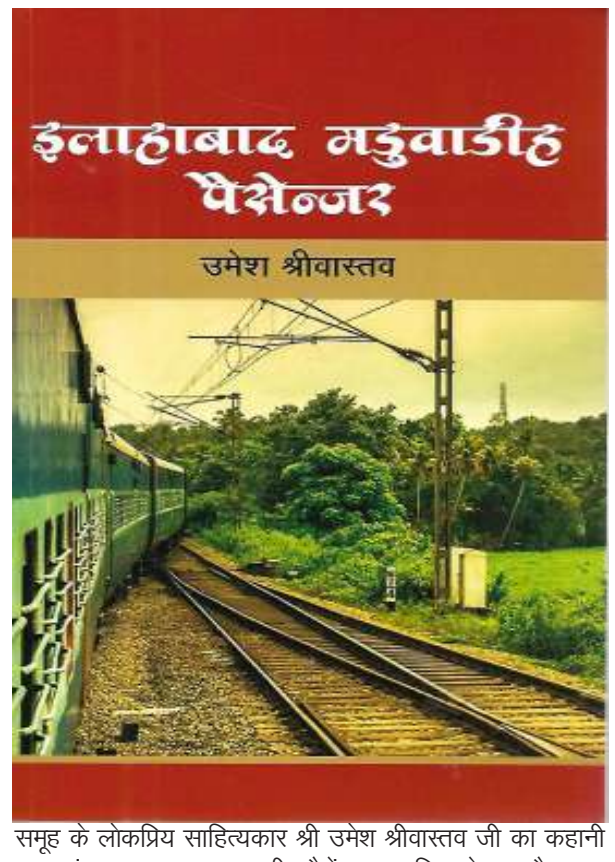

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

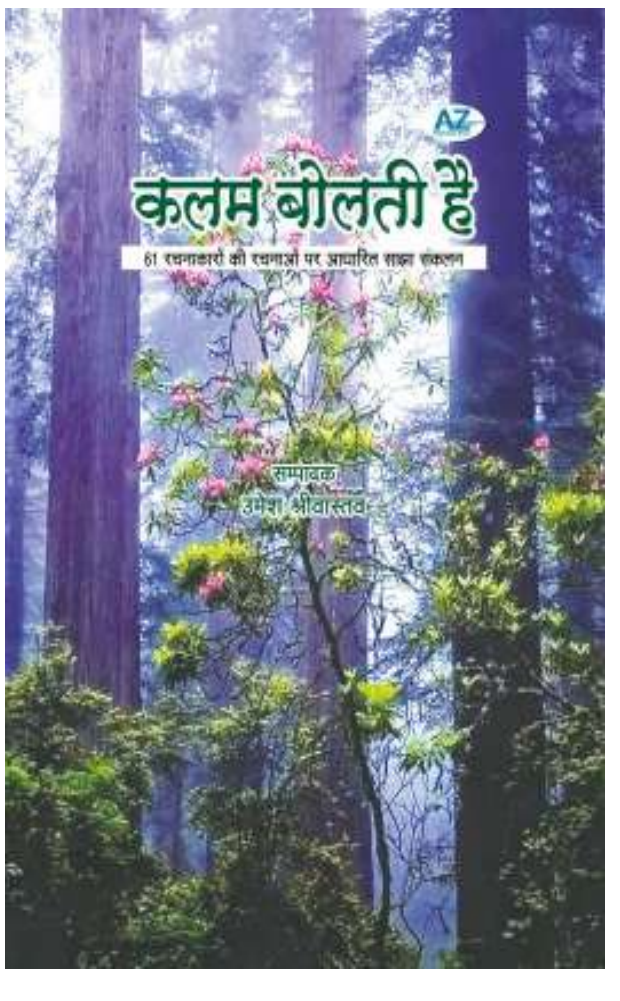

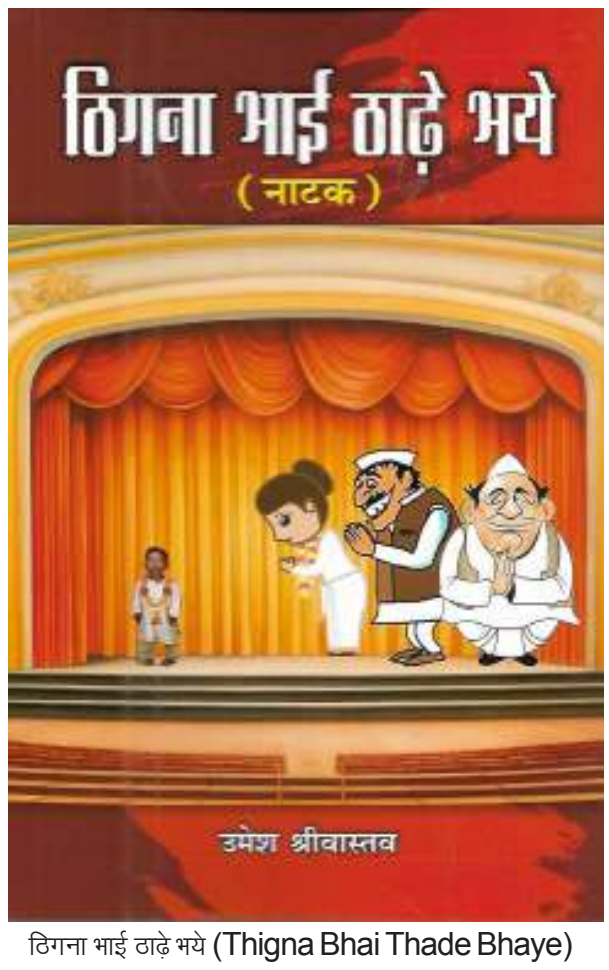

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

आखिरकार इस्राइल को मिला शिरी बिबास का शव, नेतन्याहू बोले- बदला लेंगे; आज छह इस्राइली की होगी वतन वापसी

येरुशलम, एजेंसी। हमास ने 20 फरवरी को चार शव इस्राइल को सौंपे थे, जिसमें एक मां और उसके दो बच्चे के साथ एक बुजुर्ग का शव शामिल था। लेकिन इस्राइल की तरफ से दावा किया गया कि, सौंपा गया शव दो बच्चों की मां शिरी बीबास का नहीं था। इस्राइली फॉरेंसिक जांच में पता चला कि वह शव किसी अज्ञात फलस्तीनी महिला का था। इससे इस्राइल में नाराजगी बढ़ गई। इसके बाद, हमास ने शुक्रवार देर रात सही शव सौंप दिया, जिसकी पहचान शनिवार सुबह शिरी बीबास के रूप में हुई।

इस्राइल–हमास का एक–दूसरे पर दावा

शिरी बीबस और उनके दो छोटे बेटे हमास के कब्जे में मारे गए थे। लेकिन हमास ने दावा किया था कि उनकी मौत इस्राइली हमलों में हुई, लेकिन इस्राइल का कहना है कि इनकी हत्या हमास ने की। इधर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे श्नृशंस और अमानवीय कृत्यश बताते हुए बदला लेने की चेतावनी दी है। हालांकि, इस बीच हमास और इस्राइल के बीच चल रही संघर्षविराम संधि के तहत शनिवार को छह और इस्राइली बंधकों की रिहाई होगी।

छह इस्राइली बंधकों की रिहाई तय

हमास ने शनिवार को छह इस्राइली नागरिकों को रिहा करने की पुष्टि की। इनमें तीन लोग 7 अक्तूबर के हमले के दौरान एक संगीत समारोह से अगवा किए गए थे। जिसमें, 27 वर्षीय एलिया कोहेन, 22 वर्षीय ओमर शेम टोव और 23 वर्षीय ओमर वेंकेर्ट, इसके अलावा, 40 वर्षीय ताल शोहम, जिन्हें किबुत्ज बीरी से अगवा किया गया था, भी शामिल हैं। इसके साथ ही, 39 वर्षीय अवेरी मेंगिस्तु और 36 वर्षीय हिशाम अल–सैयद को भी रिहा किया जाएगा। ये दोनों मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण पहले गाजा में भटककर पहुंचे थे और हमास ने उन्हें हिरासत में ले लिया था।

छह के बदले 600 फलस्तीनियों छोड़ेगा इस्राइल

इसके बदले इस्राइल 600 से अधिक फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इनमें 50 आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं, 60 को लंबी सजा मिली थी, और 445 गाजा के निवासी हैं जिन्हें युद्ध के दौरान गिरफ्तार किया गया था।

अधर में संघर्षविराम संधि का भविष्य

हमास ने कहा है कि वह अगले हफ्ते चार और शव लौटाएगा, जिससे संघर्षविराम का पहला चरण पूरा होगा। लेकिन अब भी लगभग 60 इस्राइली बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से आधे के जीवित होने की संभावना है। हमास ने साफ कहा है कि जब तक इस्राइल पूर्ण संघर्षविराम और गाजा से पूरी तरह वापसी की गारंटी नहीं देता, तब तक बाकी बंधकों को रिहा नहीं किया जाएगा। वहीं, नेतन्याहू का कहना है कि वह हमास का सैन्य और प्रशासनिक तंत्र खत्म करने तक पीछे नहीं हटेंगे।

संक्षिप्त

रुश्दी पर हमला करने वाला व्यक्ति हत्या के प्रयास का दोषी पाया गया

न्यूजर्सी के एक व्यक्ति को 2022 में न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से कई बार हमला करने के मामले में शुक्रवार को हत्या के प्रयास का दोषी पाया गया है। चौटाउक्वा काउंटी अदालत में सुनवाई के बाद लगभग दो घंटे तक चली बहस के बाद न्यायधीशों ने 27 वर्षीय हादी मतार को दोषी पाया। मतार ने 12 अगस्त, 2022 को रुश्दी के संबोधन के दौरान 'चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन' के मंच पर पहुंचकर दर्शकों के सामने रुश्दी पर 10 से ज्यादा बार चाकू से हमला किया था। इस हमले में 77 वर्षीय पुरस्कार विजेता उपन्यासकार की एक आंख की रोशनी चली गई थी। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया था। मतार को 25 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों का उत्तर–पश्चिम में उग्रवादियों के ठिकाने पर छापा, छह ढेर

पेशावर । पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना के आधार पर देश के उत्तर–पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी तालिबान के पूर्व गढ़ में स्थित उग्रवादियों के एक ठिकाने पर छापा मारा और इस दौरान भीषण गोलीबारी में छह उग्रवादी मारे गए। सेना ने यह जानकारी दी। सेना ने एक बयान में कहा कि यह छापा अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले में मारा गया। इसमें कहा गया कि वहां मौजूद प्रत्येक उग्रवादी को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सेना ने मारे गए उग्रवादियों के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी, लेकिन ऐसे अभियान अक्सर पाकिस्तानी तालिबान के खिलाफ चलाए जाते हैं, जिन्हें तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान या टीटीपी के नाम से भी जाना जाता है। टीटीपी अफगानिस्तान में तालिबान का सहयोगी है और 2021 में अफगानिस्तान में अफगान तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद से उसने पाकिस्तान में अपने हमले तेज कर दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वा के एक जिले कुर्रम में भी एक बड़ा अभियान जारी है, जहां हाल के महीनों में उग्रवादियों ने शिया समुदाय के लोगों और सहायता सामग्री पहुंचाने वाले सुरक्षा बलों के ट्रक पर हमले किये हैं।

एपी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए ट्रंप प्रशासन के तीन अधिकारियों पर किया मुकदमा

समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) ने राष्ट्रपति के कार्यक्रमों तक उसकी पहुंच बाधित करने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के तीन अधिकारियों पर शुक्रवार को मुकदमा दायर किया। दरअसल, अमेरिका ने हाल में 'मेक्सिको की खाड़ी' का नाम बदलकर 'अमेरिका की खाड़ी' रखने का आदेश जारी किया था लेकिन 'एपी' ने कहा था कि वह 'मेक्सिको की खाड़ी' नाम का ही इस्तेमाल करना जारी रखेगा। उसका कहना है कि दुनिया भर में समाचार प्रसारित करने वाली एक वैश्विक समाचार एजेंसी के रूप में उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्थानों के उन नाम का इस्तेमाल किया जाए जिन्हें लोग आसानी से पहचान सकें। इसके बाद, अमेरिका ने 'एपी' के पत्रकारों को कई सरकारी कार्यक्रमों को कवर करने से रोक दिया था। 'एपी' के पत्रकारों की सरकारी कार्यक्रमों तक पहुंच को बाधित करने के अमेरिकी प्रशासन के फैसले के खिलाफ मुकदमा शुक्रवार दोपहर वाशिंगटन में अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर किया गया। यह मामला ट्रंप द्वारा नामित अमेरिकी जिला न्यायाधीश ट्रेवर मैकफैडेन को सौंपा गया है। 'एपी' ने कहा कि 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करने के असंवैधानिक प्रयास के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज किया गया है। 'एपी' ने अपने मुकदमे में कहा, ''प्रेस एवं अमेरिका के सभी लोगों को अपने शब्द चुनने का अधिकार है और सरकार को उनसे प्रतिशोध नहीं लेना चाहिए।'' इस मुकदमे में 'व्हाइट हाउस' की 'चीफ ऑफ स्टाफ' सुजैन विल्स, 'डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ' टेलर बुडोविच और प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का नाम शामिल है।

पाकिस्तान में 22 भारतीय मछुआरों की सजा पूरी, स्वदेश लौटेंगे

पाकिस्तानी अधिकारियों ने कराची की मलीर जेल से 22 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया है और उन्हें शनिवार को भारत को सौंपे जाने की संभावना है। समाचारपत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने मलीर जेल के अधीक्षक अरशद शाह के हवाले से बताया कि मछुआरों को उनकी सजा पूरी होने के बाद शुक्रवार को जेल से रिहा कर दिया गया। 'ईदी फाउंडेशन' के अध्यक्ष फैसल ईदी ने मछुआरों के लिए लाहौर तक परिवहन की व्यवस्था की, जहां से वे भारत वापसी की यात्रा जारी रखेंगे। उन्होंने लंबी अवधि तक जेल में रहने के दौरान मछुआरों के परिवारों की पीड़ा को उजागर किया तथा सजा पूरी होने के बाद उनकी तत्काल रिहाई तथा शीघ्र वापसी का आह्वान किया। पाकिस्तानी अधिकारी भारतीय मछुआरों को वाघा सीमा पर पहुंचाते हैं, जहां भारतीय अधिकारी आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनकी वापसी की व्यवस्था करते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

जेलेंस्की के संबंध में ट्रंप की आलोचना के बाद अमेरिकी राजदूत ने की यूक्रेनी नेता की प्रशंसा

यूक्रेन और रूस के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनोल्ड ट्रंप के राजदूत ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ रूस के साथ तीन साल से जारी युद्ध के बारे में व्यापक चर्चा की है और वह एक साहसी नेता हैं। सेवानिवृत्त अमेरिकी लेफ्टिनेंट जनरल कीथ केलॉग बुधवार को कीव गए थे और उन्हें बृहस्पतिवार को जेलेंस्की के साथ मिलकर

संवाददाता सम्मेलन करना था लेकिन इस कार्यक्रम में अंतिम क्षण में बदलाव किया गया। अमेरिकी राजदूत और जेलेंस्की ने मीडिया के सामने आकर केवल तस्वीरें खिंचवाईं। बाद में केलॉग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने 'पोस्ट' में कहा कि यूक्रेन के शीर्ष नेतृत्व के साथ ''लंबी बातचीत वाला दिन। वह युद्ध के बीच साहसी नेता के तौर पर दिखाई देते हैं।'' उनकी टिप्पणी हाल में ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों की ओर से जेलेंस्की को लेकर की गई आलोचना के विपरीत है। ट्रंप ने हाल में जेलेंस्की को तानाशाह कहा था और चेतावनी दी थी कि उन्हें युद्ध को समाप्त करने के लिए तेजी से बातचीत की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यूक्रेन के लिए अहम अमेरिकी सैन्य सहायता मिलने पर संदेह के कारण कीव में तनाव बढ़ गया है। वरिष्ठ अमेरिकी और रूसी अधिकारियों के बीच बातचीत में अब तक दरकिनार किए जाने से असहज यूरोपीय सरकारें जेलेंस्की को मदद देने के लिए आगे आ रही हैं और साथ ही 'ट्रांसअटलांटिक' संबंधों में दरार से बचने की कोशिश भी कर रही हैं। पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने कहा कि जेलेंस्की ने शुक्रवार को उन्हें फोन किया था। डूडा ने कहा कि उन्होंने जेलेंस्की से कहा है कि वह ट्रंप के साथ ''रचनात्मक सहयोग के मार्ग पर बने रहने के लिए प्रतिबद्ध रहें।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे प्रधानमंत्री मोदी, पीएम नवीन रामगुलाम का एलान

पोर्ट लुइस, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने मॉरीशस की यात्रा करेंगे। वे मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने इसका एलान किया। रामगुलाम ने इसे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों का प्रमाण बताया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम ने शुक्रवार को 'नेशनल असेंबली' को संबोधित करते हुए कहा, श्यह हमारे देश के लिए वास्तव में एक विशेष सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी के इतने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद हमें ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करने का अवसर मिलेगा। हर साल 12 मार्च को मॉरीशस अपना

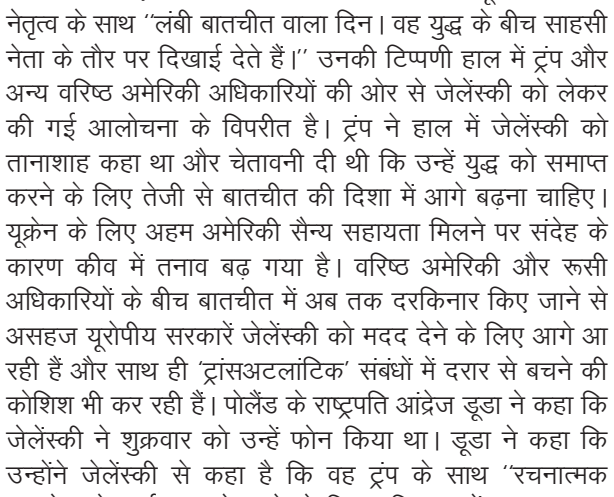

राष्ट्रीय दिवस मनाता है। इसे 12 मार्च, 1968 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। रामगुलाम ने कहा, श्मुझे हमारे देश की स्वतंत्रता की 57वीं वर्षगांठ के समारोह के संदर्भ में सदन को यह सूचित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि मेरे निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री महामहिम नरेंद्र मोदी ने हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनने पर सहमति व्यक्त की है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने भारतीय नेता के व्यस्त कार्यक्रम का जिक्र करने के लिए पीएम मोदी की हाल की पेरिस और अमेरिका यात्राओं का भी जिक्र किया। रामगुलाम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में पिछले साल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं।

ओडिशा विश्वविद्यालय के 159 छात्र नेपाल लौटे, अमानवीय व्यवहार का दावा किया

काठमांडू । ओडिशा के एक विश्वविद्यालय में नेपाल की एक छात्रा के कथित तौर पर आत्महत्या करने और कॉलेज प्रशासन की ओर से नेपाली छात्रों को छात्रावास खाली करने का आदेश दिए जाने के कुछ दिन बाद 159 छात्र रक्सौल सीमा के रास्ते नेपाल वापस आ गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। परसा के सहायक मुख्य जिला अधिकारी सुमन कुमार कार्की ने बताया कि रक्सौल सीमा से बृहस्पतिवार शाम तक 159 नेपाली छात्र वापस लौटे। ओडिशा के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में बीटेक (कम्प्यूटर साइंस) की तृतीय वर्ष की छात्रा प्रकृति लम्साल (20) ने 16 फरवरी को अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के बाद छात्रों ने प्रदर्शन किया था। ओडिशा के केआईआईटी में नेपाल के लगभग 1,000 छात्र पढ़ते हैं। काठमांडू में 'रिपोर्टर्स क्लब' में मीडिया से बात करते हुए नेपाल लौटे छात्रों के एक समूह ने कहा कि कॉलेज

के छात्रावास में नेपाली छात्रा की मौत के बाद उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। छात्रों ने कहा, प्रकृति लम्साल की रहस्यमयी मौत के बाद, हमारे साथ दुर्व्यवहार व अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की मौजूदगी में सुरक्षा कर्मियों ने हमारी पिटाई की और हमें तुरंत छात्रावास खाली करने को कहा। छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद वे कॉलेज लौटने में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कॉलेज द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद पढ़ाई के लिए कोई सुरक्षित और अनुकूल माहौल नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रकृति लम्साल की मौत की उचित जांच होनी चाहिए और पीड़ित छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने बृहस्पतिवार को बताया था कि सरकार ने नेपाली छात्रा की मौत से उत्पन्न मुद्दे को राजनयिकों के माध्यमों से सुलझा लिया है। देउबा ने ओमान से आने के बाद त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''नेपाल सरकार ने ओडिशा स्थित केआईआईटी में नेपाली छात्रा की मौत से जुड़ी मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए इसे राजनयिक माध्यमों से हल कर लिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल सीक्यू ब्राउन को हटाया, डैन रेज़िन कैन को नियुक्त किया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को वायुसेना के जनरल सीक्यू ब्राउन को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन पद से हटा दिया। ट्रंप द्वारा संघीय सरकार को नया स्वरूप देने के अभियान के तहत प्रशासन में फेरबदल के बीच ब्राउन की बर्खास्तगी हुई है। अक्टूबर 2023 से वे इस पद पर हैं, जब उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति जो बिडेन ने नामित किया था। ट्रंप ने कहा कि वे वायुसेना के लेफ्टिनेंट जनरल डैन रेज़िन कैन को अगला चेयरमैन नामित कर रहे हैं। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, कैन एक कैरियर एफ–16 पायलट हैं, जिन्होंने सक्रिय ड्यूटी और नेशनल गार्ड में काम किया है, और हाल ही में उन्होंने सीआईए में सैन्य मामलों के एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में काम किया था। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रम्प ने लिखा, ष्मैं जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन को हमारे देश के लिए 40 से अधिक वर्षों की सेवा के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिसमें हमारे संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में भी शामिल हैं। वह एक अच्छे सज्जन और एक उत्कृष्ट नेता हैं, और मैं उनके और उनके परिवार के लिए एक उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। उन्होंने आगे कहा, ष्आज, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि मैं वायु सेना के लेफ्टिनेंट जनरल डैन रेज़िन कैन को संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अगले अध्यक्ष के रूप में नामित कर रहा हूँ। जनरल कैन एक कुशल पायलट, राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ, सफल उद्यमी और महत्वपूर्ण अंतर–एजेंसी और विशेष संचालन अनुभव वाले एक युद्धक हैं। मेरे पहले कार्यकाल के दौरान, रेज़िन ने ISIS खलीफा के पूर्ण विनाश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह रिकॉर्ड बनाने वाले समय में, कुछ हफ़्तों में किया गया था। कई तथाकथित सैन्य प्रतिभाओं ने कहा कि ISIS को हराने में सालों लगेंगे। दूसरी ओर, जनरल कैन ने कहा कि यह जल्दी किया जा सकता है, और उन्होंने ऐसा किया। ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा, पिछले प्रशासन के दौरान संयुक्त चीफ़ ऑफ़ स्टाफ़ में सेवा करने के लिए अत्यधिक योग्य और सम्मानित होने के बावजूद, जनरल केन को स्लीपी जो बिडेन द्वारा पदोन्नति के लिए अनदेखा कर दिया गया था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा! सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के साथ, जनरल केन और हमारी सेना ताकत के माध्यम से शांति बहाल करेगी, अमेरिका को पहले स्थान पर रखेगी और हमारी सेना का पुनर्निर्माण करेगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।